04 - अंधविश्वास का बढ़ता बाजार

05 - महुआ मोइत्रा के खिलाफ नया मामला ज्यादा घातक

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 22 जुलाई, 2024

06- भारी बारिश से दो घंटे बंद रहा भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे

07- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मीडिया के उलझे रिश्ते

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 271, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

राजनीति में सुपरमैन होने के तकाजे और आत्म-स्तुति

उमेश त्रिवेदी

संपादक

9893032101

आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी की जुगलबंदी में खोट और खराश की खबरों के बीच सर संघचालक मोहन भागवत का एक आध्यात्मिक संदेश इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। राजनीतिक पंडितों की माने तो यह संदेश सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एड्रेस करता है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दरम्यान प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न टीवी साक्षात्कारों में कहा था कि ईश्वर ने मुझे यह विश्वास दिलाकर भेजा है कि मेरी ऊर्जा जैविक नहीं है और ईश्वर मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं। मोदी के इस आत्म-स्तुति के परिप्रेक्ष्य में संघ प्रमुख का ताजा उद्बोधन चर्चाओं के केन्द्र में है, जिसमें उन्होने कहा है कि 'आत्म विकास के क्रम में एक व्यक्ति 'सुपरमैन', फिर 'देवता' और उसके आगे 'भगवान' बनना चाहता है और उत्तरोत्तर विश्वरूप धारण करने की आकांक्षा रखता है, लेकिन कोई भी नहीं जानता है कि आगे क्या होने वाला है अथवा क्या होगा?''लेकिन ध्यान रखें कि कुछ लोगों में मानव होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव होता है। उन्हे पहले अपने भीतर मानवीय गुणों का विकास करना चाहिए।

मोहन भागवत का यह संबोधन विकास भारती द्वारा आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में हुआ था। इसके आगे मोहन भागवत के शब्दों मे गीता की अनुगूंज सुनाई देती है, जिसमें वो कहते हैं कि ''मानवता के विकास के लिए अभी काफी काम करना है, इसलिए जो लोग सुपरमैन होने की आकांक्षा पालते हैं, उन्हें निरन्तर काम करते रहना चाहिए।''

चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के इस टीवी साक्षात्कार ने सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके कई मीम्स भी बने थे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खुद को ईश्वर का दूत बताने वाले नेता के प्रतिरूप में प्रधानमंत्री मोदी पर तीखे राजनीतिक कटाक्ष किए थे। अति-मानव के रूप में मोदी की आत्म-स्तुति और प्रस्तुति ने भाजपा के नेताओं को भी असहज कर दिया था।

बहरहाल, मोदी के अति-मानव होने की आकांक्षाओं के बीच श्री अरविंद की अतिमानव की अवधारणा भी ध्यानाकर्षण करती है। मानव से अतिमानव बनने का दर्शन और उसका अतिमानस रूप परम आध्यात्मिक चेतना और विश्व मानवता के सर्वोच्च आदर्शो से आहूत होता है। श्री अरविंद ने अतिमानव के स्वरूप की विस्तृत वैचारिक और दार्शनिक विवेचना की है। अतिमानव से मानव की पृथक सत्ता स्वीकार करते हुए श्री अरविंद कहते हैं कि अतिमानव राग और व्देष से मुक्त होता है। मन और इंद्रियों पर उसका संपूर्ण नियंत्रण होता है। जिसके कारण वह मनुष्य से पृथक अपनी स्वतंत्र सत्ता कायम कर पाता है। अतिमानव की अवधारणा मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ने का गुरूतर प्रयास है। श्री अरविंद की धारणा थी कि मानव लोभ, मोह, और अभिलाषाओं का परित्याग कर व्यक्ति के विकास की नई इबारत लिख सकता है। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में श्री अरविंद की इस अवधारणा को आगे बढ़ाया है।

मोहन भागवत के संबोधन के पहले विभिन्न सभाओं और साक्षात्कारों में खुद अपने बारे में दिए गए बयानों को समझना भी जरूरी है। न्यूज 18 को दिए गए अपने साक्षात्कार में मोदी ने कहा था कि ''जब मेरी मां जीवित थी, तो मैं यह मानता था कि मैं जैविक रूप से पैदा हुआ हूँ। उनके निधन के बाद अपने सभी अनुभवों पर विचार करने के बाद मुझे यकीन हो गया है कि भगवान ने मुझे भेजा है। मेरी यह ऊर्जा मेरे जैविक शरीर से नहीं हो सकती, बल्कि भगवान ने मुझे प्रदान की है। मैं जब भी कुछ करता हूं, तो मुझे विश्वास होता है कि भगवान मेरा मार्ग दर्शन कर रहे हैं''।

साक्षात्कार में व्यक्त मोदी की अवधारणाएं अपनी जगह हैं,लेकिन अनेक भाजपा नेता भी उन्हें अवतार बताने में पीछे नहीं रहे हैं। पिछले महीने सिने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने उन्हें विष्णु का अवतार निरूपित किया था। इसी साल जनवरी के महिने में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा था कि त्रेता युग में अत्याचारों के निराकरण के लिए जिस प्रकार ईश्वर का अवतार हुआ था, उसी प्रकार इस युग में नरेन्द्र मोदी अवतरित हुए हैं।

बहरहाल, भाजपा नेताओं की स्तुति और वंदनाओं के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत का उदबोधन अतिमानव के बारे में श्री अरविंद की मीमांसाओं को आगे बढ़ाता महसूस होता है। भागवत कहते हैं कि गुणों के बाद मनुष्य अलौकिक शक्तियों के साथ महामानव बनने की आकांक्षा रखता है। और फिर देवता और भगवान का दर्जा प्राप्त करना है। फिर वह विश्वरूप याने परम शक्ति का सर्वव्यापी रूप धारण करने की आकांक्षा रखता है। लेकिन इससे परे क्या है, वह यह नहीं जानता है। आंतरिक और बाहरी विकास का कोई अंत नहीं है। इसलिए मनुष्य को मानवता के विकास के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के ताजे परिणामों के बाद आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के विभिन्न संबोधनों के निहितार्थ और उनमें छिपे सबक की मीमांसा ने भाजपा के सूत्रधारों परेशान कर दिया है। मोहन भागवत की सांकेतिक भाषा हर हाल में चुनाव जीतने के हठ और हठधर्मिता के आगे संयम और संविधान की लक्ष्मण रेखाएं खींचने का संदेश देती है। लेकिन भाजपा के सूत्रधारों को चुनाव में संयम बरतने का कोई भी सबक कबूल नहीं है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का वह ताजा आदेश है, जिसमें यह निर्देश दिया गया है कि कांवड़ यात्रा के मार्ग में सभी दुकानदार अपने दुकानों के बोर्ड पर अपना नाम लिखें, ताकि यह पता चल सके कि दुकानों के संचालक किस संप्रदाय और जाति के हैं? कांवड़ यात्रा का इतिहास सदियों पुराना है,लेकिन इसके कांवड-यात्रा से राजनीतिक लाभांश कमाने का सिलसिला नया है। ताजा लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की करारी हार के बाद भाजपा नेता ध्रुवीकरण की अपनी पुरानी राजनीति की ओर लौटते महसूस हो रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय को चिन्हित करने वाला यह आदेश उसकी बानगी है। और यह आदेश मोहन भागवत के उन संदेशों की अनसुनी की बानगी भी है,जिसमें वो संविधान और संयम के साथ ग़जनीति करने का संदेश दे रहे हैं।

मानसून सत्र से पहले सरकार ने की विपक्ष के साथ बड़ी बैठक

विपक्ष ने बिहार को स्पेशल स्टेटस,नीट पेपर लीक का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संसद सत्र के हंगामेदार रहने के आसार बढ़ गए हैं। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस पार्टी ने जहां लगातार डिप्टी स्पीकर पद की मांग की तो इसके साथ ही साथ नीट यूजी विवाद और कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तरप्रदेश सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से सवाल पूछे। संसद के बजट सत्र के पहले बुलाई गई इस सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने जोरदार तरीके से अपने मुद्दों को रखा। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नीट यूजी के साथ-साथ एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला भी उठाया। गोगई ने कहा कि एजेंसियां केवल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए छोड़ रखी हैं। भाजपा या एनडीए में जो शामिल हो जाता है तो फिर उसके पीछे एजेंसियां नहीं जाती। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा दिए गए आदेश के खिलाफ अपनी आवाज उठाई, उन्होंने कहा कि आखिर दुकानदारों की दुकानों पर सरकार उनके नाम लिखवाकर आखिर क्या साबित करना चाहती है। मीटिंग के बीच में ही कांग्रेस नेता जयराम रमेश की तरफ से अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर यह दावा किया गया कि टीडीपी ने आंध्रप्रदेश के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग नहीं की, जबकि नीतिश कुमार की पार्टी ने बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग रखी। रमेश ने अपने पोस्ट में लिखा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में चल रही सर्वदलीय बैठक में जदयू के नेताओं ने बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस देने की मांग सामने रखी।

बारिश ही बारिश,सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र और हिमाचल तक बारिश ने ढाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई जिससे मुंबई और नागपुर में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुंबई में रुक-रुक कर बारिश हुई। शहर के कई हिस्सों में जलभराव हुआ। हालांकि, लोकल ट्रेन का संचालन सामान्य रहा। अधिकारी ने बताया कि रात 11.18 बजे 3.66 मीटर की ऊंचाई तक का ज्वार आने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह आठ बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में शहर में 91 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 87 मिमी और 93 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में विदर्भ (महाराष्ट्र), द्वारका (गुजरात), बीजापुर (छत्तीसगढ़), मलकानगिरी (ओडिशा), हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) और शिवमोग्गा (कर्नाटक) में सबसे अधिक बारिश हुई। आईएमडी ने शनिवार को गुजरात और कोंकण क्षेत्र समेत कई राज्यों में रेड अलर्ट जारी किया, जबकि तटीय कर्नाटक और तेलंगाना के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। नागपुर में सुबह तीन घंटे तक भारी बारिश हुई जिससे निचले इलाकों में पानी भरने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। अधिकारियों को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर

- **मुंबई-नागपुर में सड़कें बनीं तालाब, दो दिन जमकर बरसेंगे बदरा**

ले जाना पड़ा और एहतियात के तौर पर स्कूल और कॉलेज में दिन भर के लिए अवकाश घोषित करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि शहर के हुडकेश्वर नगर इलाके में बाढ़ के कारण करीब 50 छात्र अपने कॉलेज में फंस गए थे, लेकिन बाद में उन्हें बचा लिया गया। आईएमडी ने अगले 2 दिनों में नागपुर और विदर्भ क्षेत्र के अन्य जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

सुप्रभात

बेवजह छत पे मुस्कुराता है कोई
बिजुरी सी पलकें झपकाता है कोई

देह रंग खिला है गगन में सतरंगी
अंजुरी भर मोती लुटाता है कोई

टंकारती टिपिर टिपिर टसकती यादें
ख्वाबों में रोज रात आता है कोई

बालों की लट झूलती, झूलती बाली
गुपचुप फुहारों से भिगोता है कोई

रुनून झुनून,झूम झनन बजती झांझर
देर तक कानों में बजाता है कोई।

- अरुण सातले

फिर आ गया 'निपाह' वायरस का खतरा

केरल में 14 साल के बच्चे की मौत, हाईलेवल मीटिंग के बाद अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक बार फिर से निपाह वायरस के खतरे ने दस्तक दे दी है। राज्य के मलप्पुरम के 14 वर्षीय एक लड़के की निपाह वायरस से रविवार को मौत हो गई। पांडिक्कड़ निवासी लड़के को रविवार सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा और उसे बचाया नहीं जा सका। एनआईवी पुणे की तरफ से निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि की

- **केंद्र की ओर से संक्रमण देखते हुए भेजी जाएगी टीम, जरूरी उपाय को कहा**

गई थी। राज्य में इस साल निपाह से पहली मौत के बाद सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्र सरकार ने मौत के बाद राज्य सरकार से इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जरूरी उपाय करने की बात कही है। इसके साथ ही मामले की जांच, महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान और तकनीकी सहायता के साथ राज्य की सहायता के लिए एक जॉइंट आउटब्रेक केंद्रीय टीम तैनात की जाएगी। स्थिति का जायजा लेने के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम राज्य में भेजी जाएगी। इससे राज्य सरकार को संक्रमण से निपटने में भी मदद मिलेगी। केरल में पिछले साल भी निपाह वायरस के संक्रमण से मौत दर्ज की गई थी। निपाह वायरस का प्रकोप कोझिकोड जिले में था। वायनाड के इस पड़ोसी जिले में वायरस से छह लोग संक्रमित हुए थे जिनमें से दो की मौत हो गई।

साल 2018, 2021 और 2023 में कोझिकोड जिले में और 2019 में एर्नाकुलम जिले में निपाह संक्रमण फैलने के मामले दर्ज किए गए थे। कोझिकोड, वायनाड, इडुक्की, मलप्पुरम और एर्नाकुलम जिलों के चमगादड़ों में निपाह वायरस की एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता चला था। निपाह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों से मनुष्यों में फैलता है। संक्रमित चमगादड़ों, उनकी लार या दूषित भोजन के संपर्क में आने से वायरस फैल सकता है। मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण भी देखा गया है, खास तौर पर श्वसन बूंदों और शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, निपाह वायरस संक्रमण जानवरों से लोगों में फैलता है। यह बीमारी दूषित भोजन या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैल सकती है। निपाह वायरस मष्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है। वायरस के इस स्वरूप से संक्रमित लोगों में आमतौर पर मृत्युदर 70 से 90 प्रतिशत तक होती है।

वायरस से कोमा और मृत्यु संभव

खांसी और गले में खराश जैसी सांस से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। गंभीर मामलों में, वायरस से कोमा और मृत्यु हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फ्रूट बैट और सूअरों के साथ संपर्क को कम करने की सिफारिश की है, खासकर प्रकोप वाले क्षेत्रों में। सुनिश्चित करें कि भोजन अच्छी तरह से पकाया गया हो। इसके अलावा कच्चे या आधे पके हुए फलों का सेवन करने से बचें। अच्छी हाइजीन प्रैक्टिस जैसे बार-बार हाथ धोना और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का उपयोग करना, वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक हैं। मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज निपाह वायरस संक्रमण के लिए एकमात्र उपलब्ध उपचार है। हालांकि अभी तक मेडिकल रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पिछले साल केरल सरकार ने कहा था कि निपाह संक्रमण के खिलाफ एकमात्र उपचार 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' को घातक वायरस से निपटने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित किया जाएगा।

सरकारी नौकरियों में अब नहीं मिलेगा आरक्षण

हिंसा के बीच बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर हिंसा के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरी में ज्यादातर आरक्षण खत्म कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के आरक्षण के बरकरार रखने के फैसले को रद्द कर दिया और 93 फीसदी नौकरियों को मेरिट पर आधारित करने का आदेश दिया है। अब 1971 के युद्ध में शामिल होने वालों के परिवारवालों को केवल पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लगभग सभी सरकारी नौकरियों को योग्यता के आधार पर दिया जाना चाहिए। बता दें कि बांग्लादेश में आरक्षण सुधारों को लेकर कई दिनों से झड़प हो रही थीं जिनमें कम से कम 133 लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व कुल गुरुओं एवं शिक्षकों का किया सम्मान

भारतीय संस्कृति में गुरूजनों का स्थान सर्वोच्च : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च है। गुरू शिक्षा के साथ ही ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। वे अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरुजनों का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरुजनों के सम्मान के लिए अब प्रदेश में हर वर्ष सभी स्कूल और कॉलेजों में गुरूपूर्णिमा का महापर्व मनाया जाएगा। विद्यार्थियों को गुरुओं की महत्ता बताई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस आयोजन से जुड़े और गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित गुरू पूर्णिमा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाभारत के अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुरू शिष्य परम्पराओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरू शिक्षा के साथ ज्ञान भी देते हैं। वे अन्याय एवं अधर्म से लड़ना सिखाते हैं। जीवन जीने की कला सिखाते और शिक्षा एवं ज्ञान का दान करते हैं। इस कार्य में वे अपने कष्टों को भी बाधा नहीं बनने देते हैं। गुरू का साथ मिलते ही शिष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और वह सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करने लगता है। उन्होंने कहा कि गुरू-परम्परा समुचित मानवता को धन्य करने की परम्परा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य सांदीपनि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुजन राष्ट्रवादी सोच का प्रवाह अपने शिष्यों में करते हैं। आचार्य सांदीपनि इसका बेहतर उदाहरण है। आचार्य सांदीपनि ने अपने ज्ञान से राष्ट्र निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाया है।

गुरुजनों के बीच पहुंचे और पुष्प वर्षा कर सम्मान किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। डॉ. यादव मंच से उतरकर गुरुजनों के बीच पहुंचे। उन्होंने सभागृह में मौजूद पूर्व कुलगुरूओं एवं शिक्षकों का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री मधु वर्मा तथा श्री गोलू शुक्ला, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, श्री गौरव रणदिवे भी मौजूद थे।

गुरुओं का महत्व सबके के सामने आना चाहिए। इसके लिये हमने प्रदेश में हर वर्ष स्कूल और कॉलेजों में गुरू पूर्णिमा का महापर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत देश को अपने ज्ञान के आधार पर ही विश्व गुरु का दर्जा मिला है।

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरू श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि गुरुओं का जीवन में अक्षुण्ण महत्व है। गुरू अंतस के अंधकार को भी मिटाता है। गुरू अपना सब कुछ शिष्य को दे देता है। गुरू शिष्य में प्रतिबिंबित होते हैं। गुरू ज्ञान के साथ ही संस्कार एवं जीवन मूल्य भी सिखाते हैं। गुरुओं के महत्व को बताने के लिये राज्य शासन द्वारा हर वर्ष गुरू पूर्णिमा का महापर्व मनाये जाने का निर्णय सराहनीय है।

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने भारतीय परंपरा में गुरु शिष्य के संबंधों की महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. रेणु जैन ने स्वागत भाषण दिया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार,22 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

स्थिर नहीं है दिल्ली की सरकार, बहुत जल्द गिरेगी

- कोलकाता में टीएमसी की शहीद दिवस रैली में बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के एस्प्लेनेड में शहीद दिवस रैली की। रैली को ममता बनर्जी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि बंगाल के साथ हिंदुस्तान के संबंध अच्छे हों। आप (अखिलेश यादव) यहां आए, मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूं। मैं समाजवादी पार्टी का अभिनंदन करना चाहूंगी क्योंकि उत्तर प्रदेश में आपने जो खेल दिखाया है। मैं आपके साथ सहमत हूं कि दिल्ली में सरकार स्थिर नहीं है, वह सरकार कभी भी जा सकती है।

कांवड़ रूट पर नेमप्लेट के समर्थन में उतरे योगगुरु

रामदेव को दिक्कत नहीं तो रहमान को क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा रूट की दुकानों पर नेमप्लेट लगाने के फैसले पर जमकर सियासत हो रही है। इसी बीच योग गुरु रामदेव ने बीजेपी सरकार के इस फैसले का समर्थन किया है। रामदेव ने कहा कि हर किसी को उसके नाम पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रामदेव को अपनी पहचान बताने पर कोई आपत्ति नहीं है तो फिर रहमान को क्या दिक्कत है। रामदेव ने रविवार को कहा, सभी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिए। अपना नाम छिपाने की जरूरत नहीं है। बस अपने काम में शुद्धता लाने की जरूरत है। अगर हमारा काम साफ है तो यह मायने नहीं रखता कि हम हिंदू हैं या मुसलमान। बता दें कि उत्तराखंड और यूपी सरकार के आदेश के बाद अब उज्जैन नगर निगम ने भी दुकानदारों से अपनी नेमप्लेट लगाने को कहा है। उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले पर पहले 2 हजार रुपये का

जुर्माना लगाया जाएगा। अगर फिर भी कोई नियम को नहीं मानता है तो 5 हजार रुपये का जुर्माना होगा। उन्होंने कहा, उज्जैन एक धार्मिक नगरी है और यहां श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि वह किस दुकानदार से सेवा ले रहे हैं। अगर किसी भी ग्राहक के साथ धोखा होता है तो उसे उस दुकानदार के बारे में पता होना चाहिए जिससे कि वह शिकायत कर सके। इस फैसले को लेकर विपक्ष विरोध कर रहा है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि राजनीतिक दल देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं और मुसलमानों के प्रति नफरत फैला रहे हैं। सीपीआई (एम) नेता बृंदा करात ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यूपी की सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है। ऐसे में एक पूरे समुदाय पर अत्याचार किया जा रहा है। वे समाज को बांटने की कोशिश में लगे हैं। जर्मनी ने नाजी इसी तरह का काम करते थे। मैं इसकी निंदा करती हूं। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा चीफ सुकांता मजूमदार ने कहा कि मुलायम और अखिलेश सरकार के समय इस तरह के नोटिफिकेशन जारी किए गए थे।

चार राज्यों में चुनावी रणनीति को लेकर उलझी भाजपा

पार्टी ने कसी कमर, एक बार फिर आरएसएस से मदद की दरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के झटके के बाद भाजपा की आगामी चार विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति को लेकर उलझनें बढ़ गई है। पार्टी आक्रामक और संतुलित चुनाव अभियान को लेकर पसोपेश में है। एक वर्ग का मानना है कि इस समय विपक्षी के दबाव में आने के बजाय पार्टी को पूर्व की तरह अपना आक्रामक अभियान ही जारी रखना चाहिए। हालांकि, इस रणनीति से नुकसान होने की भी आशंका है, क्योंकि विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों में विरोधाभास के बावजूद भाजपा विरोधी सुर एक जैसे हैं। भाजपा ने आगामी चार राज्यों हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रभारी काफी पहले तैनात कर दिए थे। इन नेताओं ने राज्यों में

जाकर शुरुआती दौर की बैठक भी की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव प्रभारियों की शुरुआती रिपोर्ट बहुत अच्छी नहीं है। सभी राज्यों में संगठन को लेकर दिक्कतें बढ़ी हुई है। ऐसे में विपक्षी चुनौती का सामना करना काफी मुश्किलों भरा होगा। यही वजह है कि पार्टी नेतृत्व इस समय संगठनात्मक समस्याओं को सुलझाने में जुटा हुआ है ताकि चुनाव अभियान को गति दी जा सके। पार्टी के सामने एक बड़ा मुद्दा चुनाव अभियान को लेकर भी है। लोकसभा चुनाव में और उसके पहले के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ बेहद हमलावर तरीके से आक्रामक अभियान चलाया था। इसका उसे फायदा भी हुआ था, लेकिन लोकसभा में कई राज्यों में उसे इसका नुकसान भी उठाना पड़ा है। खासकर जहां संगठन में नाराजगी थी। झारखंड और महाराष्ट्र में भी संगठन में कुछ समस्याएं रही हैं।

जम्मू से उम्मीद, घाटी में भाजपा की दिक्कत बरकरार- जम्मू-कश्मीर में घाटी में भाजपा की समस्याएं बरकरार हैं। अभी यह तय नहीं है कि पार्टी घाटी की सीटों पर किस तरह चुनाव लड़ेगी। अपने उम्मीदवार उतारेगी या कुछ निर्दलीयों को समर्थन देगी। जम्मू क्षेत्र के लिए पार्टी की तैयारी तेज हो चुकी और वहां पर पार्टी को बड़ी सफलता मिलने की भी उम्मीद है।

हरियाणा में सीएम बदलने के बाद भी बेहतर नहीं स्थिति

हरियाणा में भी मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद सामाजिक समीकरण सुधार नहीं पा रहे हैं, उल्टे बिगड़ने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली मजबूती से भी भाजपा के सामाजिक समीकरण के प्रभावित होने की आशंका है। खासकर, ब्राह्मण और दलित समुदाय को लेकर पार्टी सशंकित है। ये कांग्रेस का साथ दे सकते हैं।

महाराष्ट्र में गठबंधन के साथ चलना बना चुनौती

महाराष्ट्र में तो भाजपा का अपना गठबंधन, विपक्षी गठबंधन के सामने लोकसभा चुनाव में भी काफी कमजोर पड़ा था। अब विधानसभा चुनाव में भी यही समस्या सामने आ रही है। ऐसे में पार्टी के लिए अपने गठबंधन के मुख्यमंत्री के चेहरे को जनता के सामने पेश करने में भी दिक्कत आ रही है, क्योंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जाने पर एनडीए को बहुत बड़ी सफलता मिलने की संभावना नहीं है।

चंद्रयान-3 को मिलेगा विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार

- इसरो का अब दुनिया ने भी माना लोहा, कर दिया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला दुनिया का पहला देश बना दिया था। अब इस कार्यक्रम को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। चंद्रयान-3 को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष महासंघ द्वारा विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारत के अलावा अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की

उपलब्धि हासिल की है। पुरस्कार समारोह का आयोजन 14 अक्टूबर को इटली के मिलान में 75वें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान किया जाएगा। आपको बता दें कि चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को सफल लैंडिंग की थी। इसके करीब एक साल के बाद उसे यह उपलब्धि हासिल होने वाली है। महासंघ ने गुरुवार को कहा, इसरो द्वारा चंद्रयान-3 मिशन वैज्ञानिक जिज्ञासा और लागत प्रभावी इंजीनियरिंग के तालमेल का उदाहरण है। यह उत्कृष्टता के लिए भारत की प्रतिबद्धता और अंतरिक्ष अन्वेषण द्वारा मानवता को प्रदान की जाने वाली विशाल क्षमता का प्रतीक है। चंद्रमा की संरचना और भूविज्ञान के पहले से अनदेखे पहलुओं को तेजी से उजागर करते हुए यह मिशन नवाचार के लिए एक वैश्विक वसीयतनामा है। चंद्रयान-3 की कई उपलब्धियों में से एक भारत के अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्रों का सफल समन्वय था। इसमें मिशन का प्रणोदन मॉड्यूल परमाणु प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित था। चंद्रयान-3 की लैंडिंग की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए देश भर में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

200 से अधिक नॉन एसी हाई स्पीड ट्रेनें चलाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार 3.0 के पहले आम बजट के पिटारे से आम रेल यात्रियों को कई सौगातें मिल सकती हैं। दरअसल, भारतीय रेल आधुनिक और तेज गति वाली 200 से अधिक नई नॉन एसी

- **पहले बजट में रेल यात्रियों के लिए पिटारा खोलेगी मोदी सरकार**

ट्रेनें चलाने जा रही है। पहली बार उक्त ट्रेनों के जरिए देश के 75 छोटे शहरों (तीन लाख आबादी वाले) को रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। बजट में वंदे भारत, राजधानी-शताब्दी ट्रेनों के समय पालन में सुधार के लिए अति महत्वाकांक्षी तीन नए कॉरीडोर का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। वहीं, बढ़ते रेल हादसों पर अंकुश लगाने के लिए नए रेलमार्गों पर टक्कर रोधी तकनीक वर्जन कवच-4.0 की घोषणा की जा सकती है। रेलवे के कायाकल्प के लिए मोदी सरकार इस बार आम बजट में रेलवे को 2.85 से तीन लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन कर सकती है, जो पिछले वर्ष की अपेक्षा 10-15 फीसदी अधिक होगा। सोशल मीडिया में विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा आम रेल यात्रियों की उपेक्षा के आरोपों के चलते इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करते हुए आम जनता के लिए कई अहम घोषणाएं कर सकती हैं। इसमें 200 से अधिक पुल-पुश तकनीक युक्त अमृत भारत ट्रेन चलाने का प्रावधान किया जा सकता है। अत्याधुनिक तकनीक व तेज गति वाली ये ट्रेनें पूरी तरह से नॉन एसी होंगी। इनमें स्लीपर-जनरल कोच होंगे। इन ट्रेनों में एसी कोच लगाए जा सकते हैं।

हाई और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को प्राथमिकता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आम बजट में हाई स्पीड और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को भी प्राथमिकता मिलेगी। वित्त मंत्री देश के उत्तर, पूर्व व दक्षिण भारत के हिस्से में तीन नए हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) बनाने की षोषणा कर सकती हैं। इसमें दिल्ली-अमृतसर सहित कालेकाता और चेन्नई को शामिल किया जा सकता है। कॉरीडोर के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट का प्रावाधान किया जाएगा। बजट में वंदे भारत व वंदे मेट्रो को तरजीह दी जाएगी।

खंडवा में दादाजी की समाधि पर मत्था टेक रहे शिष्य

कुबेरेश्वर धाम में दीक्षा समारोह, बागेश्वर में गुरु वंदन; सांदीपनि आश्रम में स्लेट पूजन

खंडवा/भोपाल/उज्जैन/चित्रकूट (नप्र)। गुरु पूर्णिमा पर रविवार को खंडवा में दादा धूनीवाले की समाधि पर मत्था टेककर शिष्य धूनीमाई में आहूति दे रहे हैं। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में एक दिवसीय दीक्षा समारोह मनाया जा रहा है। भोपाल के करुणाधाम में सवा करोड़ मंत्रों की पूर्णाहुति के बाद गुरु पूजन हुआ। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में विद्यारंभ संस्कार किया गया। मुख्य पुजारी पंडित रूपम व्यास ने मंत्रों के साथ स्लेट पूजन करा बच्चों को लिखना सिखाया। छतरपुर के बागेश्वर धाम में 22 जुलाई तक पांच दिवसीय महोत्सव मनाया जा रहा है। दतिया के पीतांबरा पीठ समेत प्रदेशभर में कई धार्मिक स्थान और चित्रकूट के गुरुकुलों में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है।

सीएम हाउस में मुख्यमंत्री यादव ने गो-सेवा की- वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में सीएम हाउस में गो-सेवा की। इसके बाद उन्होंने इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में शिरकत की। यहां कहा, कुलपति को कुलगुरु कहने की नींव इंदौर में ही पड़ी। तब मैं उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर आया था। गुरु जीवन में प्रकाश फैलाते हैं इसलिए कुलपति को कुलगुरु कहने का प्रस्ताव बनाया। सीएम ने कहा कि शिक्षक दिवस, गुड़ी पड़वा की तरह गुरु पूर्णिमा पर्व भी पूरे प्रदेश में हर साल मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा पर रविवार को खंडवा में दादा धूनीवाले की समाधि पर मत्था टेककर शिष्य धूनीमाई में आहूति दे रहे हैं।

मंगल ग्रह पर मिला 'पीला खजाना', पानी का भी खुलेगा राज

नासा के रोवर ने कर दिया कमाल, एलियन को लेकर भी खोज जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह पर बड़ी खोज की है। रोवर को लाल ग्रह पर पीले रंग के शुद्ध सल्फर के क्रिस्टल मिले हैं। वैज्ञानिक इस खोज से इसलिए भी हैरान हैं क्योंकि बिना पानी के इन क्रिस्टल का बनना बेहद मुश्किल है। एक चट्टान के खुले हुए हिस्से के बीच में सल्फर के पीले क्रिस्टल पाए गए हैं। क्यूरियोसिटी के प्रोजेक्ट साइंटिस्ट अश्विन वासवाडा ने कहा, इस खोज के बारे में पहले से किसी को अंदाजा नहीं था। मुझे लगता है कि यह इस मिशन की सबसे बड़ी खोज है। 30 मई को वासवादा और उनकी टीम ने रोवर द्वारा भेजी गई तस्वीरें देखीं।

हम भी इंसान हैं, हमसे भी गलतियां होती हैं

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी केस में बोले कर्नाटक हाईकोर्ट के जज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने हाल के एक आदेश को वापस ले लिया है, जिसमें कहा गया था कि केवल

चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना आईटी अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की खंडपीठ ने यह कहते हुए आदेश वापस ले लिया कि पीठ ने गुरुवार को आदेश पारित करते समय धारा 67बी (बी) को गलत तरीके से पढ़ा था। पीठ ने कहा, हम भी इंसान हैं और हमसे भी गलतियां होती हैं। सुधार के लिए हमेशा अवसर होता है। इस संबंध में जांच की जाएगी और नया आदेश दिया जाएगा। यह आदेश रद्द किया जाता है। पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में दायर याचिका के बाद आईटी अधिनियम की धारा 67बी (ए) के तहत आदेश पारित किया गया था।

समाज सेवा का ऐतिहासिक आयाम हरित संरक्षक सम्मान

भोपाल। राजधानी के कुछ संगठनों ने मिलकर समाज सेवा की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए नया आयाम स्थापित किया है। इसी कड़ी में और मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले राज्य के गौरव मनीष शंकर शर्मा से प्रेरणा लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय संस्था लायंस क्लब, कैरियर समूह, भोपाल सिटी लाइव, उद्घोष, एमएसएस फाउंडेशन आदि संगठनों ने उन महानुभावों का एक गरिमामय सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जो वाकई वृक्षों, पौधों और बागवानों का 24 घंटे, सातों दिन, वर्ष भर संरक्षण करते हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों और संरक्षकों एवं संवर्धकों द्वारा पौधरोपण करने से हुआ।

इस अवसर पर राजधानी के विभिन्न् बागवानों से चुने गये 20 उत्कृष्ट बागवान (माली बंधुओं) को हरित संरक्षक सम्मान प्रदान किया गया। जिसमें सम्मान पत्र, मोमेंटो एवं एडीजी मनीष शंकर शर्मा की ओर से प्रत्येक बागबान को 1100 का चेक दिया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में श्री जहीर खान,शिवपाल सिंह, मंगल

सिंह, खुमार सिंह, श्रीनिवास, कपिल, सुरेश, दीपक कल्ला, भूरिया, पवन लोधी, गोपी कुशवाहा आदि शामिल हैं। संवर्धक सम्मानप्राप्त करने वालों के रूप में प्रमुख रूप से घोड़ी लाल गौर, महेंद्रअहिरवार, शरद मर्सकोले, दिनेश सिंह, ओम प्रकाश, राहुल विश्वकर्मा, मुनीमलोधी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मनीष शंकर शर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है वृक्षों का संरक्षण। इस युग में जहां पर्यावरण संबंधी चिंताएं वैश्विक चर्चाओं के केंद्र में हैं, वृक्षारोपण को जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता को बढ़ाने के एक प्रमुख समाधान के रूप में व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया है।

दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने की कोशिश

रीवा में जमीन के झगड़े में डंपर से मुरम डाली; एक गले तक, दूसरी कमर तक दबी

रीवा (नप्र)। रीवा में जमीन के झगड़े में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष की दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने की कोशिश की। आरोपियों ने डंपर से महिलाओं पर मुरम डाल दी। इससे एक महिला कमर तक और दूसरी गले तक मुरम के ढेर में दब गई। बाद में फावड़े से मुरम हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया। एक महिला बेहोश हो गई। मामला मनगवां थाना इलाके के गंगेव चौकी गांव का है। शनिवार को यह विवाद हुआ। इसका वीडियो सामने आया है। रविवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट कर इस मामले में सरकार को घेरा है। एडिशनल एसपी विवेक लाल का कहना है कि महिलाएं विरोध कर रही थीं। डंपर से मुरम पलटी कर दी, जिसमें दो महिलाएं दब गईं। जांच कर रहे हैं।

उपराज्यपाल सिन्हा से मिले ब्रजमोहन श्रीवास्तव

भोपाल। राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजमोहन श्रीवास्तव ने हाल में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। श्रीवास्तव के अनुसार सिन्हाजी के विचार अभिभूत करने वाले हैं। उनके इस संकल्प से ही जम्मू कश्मीर आज विकास की उँचाई को छूने के लिये उड़ पड़ा है।

आईटीआई स्टूडेंट से छेड़छाड़

रास्ते में रोककर हाथ पकड़ा, धमकी दी

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में आईटीआई स्टूडेंट के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। परिचित युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ कर धमकी दी। चंदन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक छात्रा की शिकायत पर शेखर नीमा और उसके साथी पर केस दर्ज किया गया है। छात्रा ने बताया कि शेखर उसकी कॉलोनी में रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने आता है। एक साल पहले वह कॉलोनी में ही किराये के घर में रहता था। इसलिये उसे जानती है। डेढ़ माह से लगातार वह उसका पीछा कर बात करने की कोशिश कर रहा था। 5 जून की दोपहर जब छात्रा अपनी सहेली के पार्लर पर जाने के लिये निकली तो शेखर रास्ते में मिला। पीछा कर कहने लगा कि वह उसे पसंद करता है। बात करने से इनकार करने पर बदनाम करने की धमकी दी।पार्लर जाकर छात्रा ने अपनी सहेली को पूरी बात बताई।

परिवार के लोग बाहर निकलना बंद नहीं कर दें, इसलिये चुप रही। 15 जून को शेखर अपने दोस्त के साथ चंदन नगर में मिला। शेखर के दोस्त ने उसका हाथ पकड़ा तो छात्रा ने शोर मचाया। घर आकर परिवार को पूरी घटना बताई। जिसके बाद थाने आकर केस दर्ज कराया।

सहेली का शादीशुदा भाई कर रहा था परेशान- एरोड्रम पुलिस ने भी 19 साल की युवती की शिकायत पर सूरज वडनेरे निवासी विकास नगर पर छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि वह सहेली के यहां जाती थी तो उसके भाई सूरज से दोस्ती हो गई। दोनों आपस में बातचीत करने लगे। सूरज के शादीशुदा होने की बात उसे पता नहीं थी। बाद में जानकारी लगी और यह भी पता लगा कि उसका एक बेटा है तो बातचीत बंद कर दी।

सावन शुरू होते ही तरबतर होगा इंदौर, 27 जुलाई तक होगी अच्छी बारिश

इंदौर। बीते सप्ताह इंदौर में बारिश की गतिविधियां लगभग नदारद ही रही और शहर के छिटपुट हिस्सों में ही बारिश हुई। आगामी सप्ताह में शहर बारिश से तरबतर होगा और शहवासियों को बारिश की बूंदों में भीगने का आनंद भी मिलेगा। सप्ताह में तीन से चार दिन इंदौर संभाग के अधिकांश हिस्सों पर बारिश होने की संभावना है। इसमें 23 जुलाई को इंदौर में कहीं-कहीं भारी बारिश का दौर भी दिखाई देगा। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक, वर्तमान में एक अवदाब क्षेत्र ओड़िशा व बंगाल की खाड़ी की ओर बना हुआ है जो पश्चिम क्षेत्र की ओर आगामी दिनों में बढ़ेगा।

यहां मानसून द्रोणिका

वहीं एक मानसून द्रोणिका जैसलमेर, अजमेर से मध्य प्रदेश के दमोह व मंडला व छत्तीसगढ़ के रायपुर व अवदाब क्षेत्र से होते हुए मध्य पूर्व बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इसके अलावा गुजरात में सौराष्ट्र व कच्छ पर ऊपरी हवा का चक्रवात 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है।

मध्यम से भारी बारिश की संभावना

इसके अलावा राजस्थान पर भी एक ऊपरी हवा का चक्रवात 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। इसके कारण इंदौर में आगामी दिनों में वर्षा की गतिविधियां बढ़ेंगी ओर सप्ताह में कुछ दिन मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान गरज-चमक का असर भी दिखाई देगा।

इंदौर से जाने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए मोरटक्का ब्रिज की हो रही टेस्टिंग

इंदौर/बड़वाह। नर्मदा नदी पर बने पचास साल से अधिक पुराने मोरटक्का पुल की भार क्षमता को लेकर शनिवार को फिर एक बार टेस्टिंग की गई। यह काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एसजीएसआईटीएस की टीम के माध्यम से करवाया है।

सात महीने पहले भी पुल की टेस्टिंग की गई

खासबात यह है कि पुल पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लगाया जा रहा है। इससे पुल पर सावन में कांवड़ यात्रियों, वाहनों और लोगों की भीड़ बढ़ते ही ओंकारेश्वर मंदिर में सीधे सूचना पहुंचेगी। इसके आधार पर मंदिर प्रशासन अपने स्तर पर दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था करेंगे। भीड़ अधिक होने पर मंदिर में वैकल्पिक लाइन की सुविधा रखी जाएगी। इंदौर से बड़वाह को जोड़ने वाले मोरटक्का पुल की सात महीने पहले भी टेस्टिंग की गई थी।

मशीनों से पुल के पिलर की जांच

शनिवार को इंदौर कमिश्नर दीपक सिंह के निर्देश पर एसजीएसआईटीएस के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मिलिंद केशव लगाटे के नेतृत्व में 20 से ज्यादा सदस्यों की टीम पहुंची। लोड टेस्टिंग का काम शनिवार दोपहर 1 बजे शुरू किया गया। मशीनों से पुल के पिलर के साथ स्पान की जांच की गई।

सुरक्षा के हर पैमाने पर पुल का सूक्ष्म अवलोकन किया जा रहा है। एसजीएसआईटीएस के प्रो. विवेक तिवारी ने बताया कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग होने की वजह से सावन में प्रदेशभर से कांवड़ यात्री आएंगे। ओंकारेश्वर दर्शन के बाद कांवड़ यात्री महाकाल में भी दर्शन करने पहुंचेंगे।

इंदौर में बड़ी ठगी

पीतल की ज्वेलरी पर चढ़ाई सोने की परत, गिरवी रखकर ले गए सवा दो करोड़ रुपये

इंदौर। बिजली विभाग के रिटायर्ड अफसर को ज्वेलर्स ने सवा दो करोड़ रुपये की चपत लगा दी। आरोपितों ने सोने की परत चढ़े पीतल के आभूषण गिरवी रखे और करोड़ों रुपये ले लिए। पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में ले लिया है। ठगी का आंकड़ा बढ़ सकता है। नकली आभूषण जब्त कर लिए हैं। विजयनगर टीआई सीबी सिंह के मुताबिक स्कीम-54 निवासी दिनेश चंद्र चोपड़ा ने शिकायत दर्ज करवाई है। दिनेश बिजली विभाग से रिटायर हुए हैं। उनकी पत्नी शिक्षा विभाग में पदस्थ रही हैं। 76 वर्षीय चोपड़ा सोना गिरवी रख कर ऋण देते थे।

शुरुआत में कम सोना गिरवी रख विश्वास जीता- वर्ष 2014 में वीणा नगर निवासी दीपक राधाशरण अग्रवाल संपर्क में आया। दीपक की परदेशीपुरा में अन्नपूर्णा ज्वेलर्स के नाम से सोना चांदी की दुकान है। शुरुआत में दीपक ने कम मात्रा में सोना गिरवी रखा और रुपये लिए। दिनेश उस पर विश्वास करने लगे और सोना की जांच करवाना बंद कर दी। दीपक और उसकी पत्नी महिमा ज्यादा मात्रा में सोना रखने लगे। दोनों के बीच लाखों रुपये का लेनदेन होने लगा। वर्ष 2022 में दीपक का भाई अरुण अग्रवाल भी सोना गिरवी रख कर रुपये लेने का काम करने लगा।

ब्याज के लालच में रिश्तेदारों से रुपये लेकर देने लगे- दिनेश ब्याज के लालच में रिश्तेदारों से रुपये लेकर आरोपितों को देने लगे। बदले में सोने के आभूषण गिरवी रखने लगे। 16 फरवरी को दिनेश ने रजत ज्वेलर्स से सोने की जांच करवाई तो ज्वेलर्स ने बताया आभूषण नकली हैं।

पुलिस ने हिरासत में लिया- आरोपित अब तक 94 बार में करीब सवा दो करोड़ रुपये ले जा चुके थे। दोनों पक्षों ने बैठक की तो आरोपितों ने नकली आभूषण गिरवी रखना स्वीकार लिया। दिनेश ने उनका वीडियो बना लिया। ऑडियो रिकॉर्डिंग भी कर ली।

इंदौर में युवती की सिर कुचलकर हत्या

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा क्षेत्र में एक युवती की सिर कुचली लाश मिली। युवती की पड़ोसी से विवाद की बात सामने आई है। उस पर ही पुलिस को शंका है।

पुलिस के अनुसार युवती का नाम मनीषा है। वह अकेली रहती थी। अफसरों को पता चला है कि मनीषा शराब पीने की आदी थी और बस्ती के लड़कों के साथ भी नशा करती थी। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि सुखिलाया फाटे के पास एक युवती की लाश पड़ी है।जिसका मुंह पत्थरों से कुचला हुआ है। मौके पर पहुंचे अफसरों को संघर्ष के निशान भी मिले। युवती के कपड़े भी अस्त व्यस्त मिले। युवती की शिनाख्त क्षेत्र में रहने वाली युवती मनीषा के रूप में हुई। शव को पोस्टमार्ट्म के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस अब हत्यारों का पता करने में जुटी हुई है।

आईसीआईसीआई बैंक के प्रॉडक्ट मैनेजर के घर चोरी

माता-पिता अहमदाबाद में, घर से नकदी और आभूषण ले गए चोर

इंदौर। तेजाजी नगर में चोरों ने आईसीआईसीआई बैंक के प्रोडक्ट मैनेजर के घर में घुसकर चोरी की। मैनेजर के माता-पिता अहमदाबाद में उपचार के लिये गए हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को मामले में केस दर्ज किया है। तेजाजी नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अंकित सोनी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। अंकित ने बताया कि वह आईसीआईसीआई बैंक में मुंबई में प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर काम करता है। 15 जुलाई को अंकित भी मेन गेट का ताला लगाकर अहमदाबाद चले गए। पिता ने 20 जुलाई को सीसीटीवी कैमरे से ऑनलाइन देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा है। मैं तत्काल इंदौर आया तो घर के मेन गेट का ताला टूटा पड़ा था, तीन कमरों में रखी अलमारी टूटी दी। उसमें से सोने का हार, सोने के कान के टॉप्स, सोने के झुमके, सोने के नाक का कांटा, चांदी की पायलें, चांदी का हार, चांदी के सिक्के, कुछ पुराने आभूषण और नकदी रुपए गायब थे। पिता से बात कर थाने जाकर मामले में केस दर्ज कराया है।

सेज यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट को पीटा

इंदौर। इंदौर की सेज यूनिवर्सिटी के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट को तीन सीनियर्स ने पीट दिया। स्टूडेंट ने तीनों की शिकायत कॉलेज प्रशासन से की है। इसके बाद थाने जाकर उनके खिलाफ थाने जाकर एफआईआर दर्ज करा दी। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक देवेन्द्र मेवाड़ा एमसीए फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है।

उसके साथ यहां पढ़ने वाले सीनियर सुमित, ध्रुव और साहिल ने मारपीट की। देवेन्द्र ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे कॉलेज से निकलकर गेट से बाहर आया। तीनों ने गलत इशारा कर बुलाया तो मैं नहीं गया। इसके बाद गेट से बाहर आने पर तीनों ने रास्ता रोक लिया। उन्होंने अपशब्द कहे और कॉलर पकड़कर लात घूंसों से पीटने लगे।

विद्यागुरु धाम- 40 साल पहले 2 विद्यार्थियों से शुरू हुई थी गुरु-शिष्य परंपरा, अब 150 नए विद्यार्थी

इंदौर। वर्ष 1995 में श्रीश्री विद्याधाम मंदिर में राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती मां पराम्बा की स्थापना की गई। धीरे-धीरे विद्याधाम में बटुकों की संख्या बढ़ती गई। अब आश्रम के वर्तमान महामंडलेश्वर चिन्मयानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में बटुक गुरु परंपरा से अध्ययन कर रहे हैं। हर साल 150 बटुक प्रवेश लेते हैं। 9 से 12 साल तक यहां रहकर गुरु परंपरा के अनुसार अध्ययन करते हैं। अब तक करीब पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़कर निकल चुके हैं। यहां के विद्यार्थी अलग-अलग शहरों में मंदिर, मठ पर पूजन-पाठ, हवन, यज्ञ कर रहे हैं। कई छात्र अमेरिका, लंदन में भी हैं।

सुबह 4.30 बजे से शुरू होती है दिनचर्या, रात 8.30 बजे विश्राम

बटुकों की दिनचर्या सुबह 4.30 बजे से शुरू होती है। स्नान आदि के बाद बटुक सुबह 5.30 बजे से गायत्री साधना, फिर सूर्य साधना करते हैं। चाय-नाश्ता के बाद अध्ययन शुरू होता है, जो दोपहर तक चलता है। भोजन के बाद दोपहर में विश्राम। शाम को फिर अध्ययन, पूजन के बाद रात्रि में भोजन और 8.30 बजे विश्राम होता है। भोजन, आवास आदि सभी कुछ बटुकों के लिए निःशुल्क है। बटुकों को नए वस्त्र भी आश्रम से ही दिए जाते हैं। सभी बटुकों के रहने के लिए अलग से आवास की व्यवस्था की गई है। हर काम का समय तय है। एक मिनट भी बटुक लेट नहीं होते हैं।

पहली बैच से ली शिक्षा, अब करवा रहे अध्ययन

पहली बैच में शिक्षा लेने वाले पं. राजेश शर्मा अब आश्रम में रहकर बटुकों को कर्मकांड आदि की शिक्षा दे रहे हैं। आश्रम के सारे अनुष्ठान चिन्मयानंद सरस्वती के सान्निध्य और पं. शर्मा के आचार्यत्व में होते हैं। गुरु पूर्णिमा के लिए भी आश्रम में खास तैयारी की गई है। सुबह से अनुष्ठान होगा। सैकड़ों भक्त शामिल होंगे। इधर, आश्रम में सालभर के सारे तीज-त्योहार शास्त्रोक्त पद्धति से मनाए जाते हैं। यहां नक्षत्रों के हिसाब से पौधे भी लगाए गए हैं।

मेडिकल टीचर्स के ट्रांसफर को लेकर आक्रोश

एमटीए ने विरोध जताकर डिप्टी सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के तीन मेडिकल टीचर्स को कार्यमुक्त कर अन्य जिलों में अटैच करने का विरोध तेज हो गया है। शनिवार को मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) की इंदौर शाखा ने डीन को उप मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया। आरोप है कि तीनों टीचर्स अहस्तांतरणीय सेवा होने के बाद भी अवैधानिक तरीके मंदसौर और नीमच में अटैच किया गया।

एमटीए के अध्यक्ष डॉ. अशोक ठाकुर ने बताया कि यह आश्चर्य का विषय है कि डीन द्वारा स्वशासी संस्था, इंदौर के अधीन अहस्तांतरणीय सेवा में नियुक्त 3 चिकित्सा शिक्षकों को कार्यमुक्त कर मेडिकल कॉलेज नीमच और मंदसौर में अटैच किया गया। ये तीनों एनएमसी के रिकॉर्ड में जनवरी 2024 में ही मेडिकल कॉलेज इंदौर में कार्यरत दर्शाए जा चुके हैं। इनके द्वारा जनवरी 24 में एनएमसी को प्रस्तुत शपथ पत्र में यह सत्यापित किया गया है कि वे किसी अन्य मेडिकल कॉलेज में मान्यता निरीक्षण में उपस्थित नहीं हुए हैं। एमजीएम कॉलेज द्वारा इसका खुला उल्लंघन किया जा रहा है। इनमें बायोकेमेस्ट्री विभाग के डॉ. शिवनारायण लहरिया, डॉ. रोहित मन्याल और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. भरत सिंह को मेडिकल कॉलेज मंदसौर और नीमच में अटैच किया गया है। एमएमसी द्वारा मेडिकल कॉलेज, मंदसौर और नीमच में जून 2024 में निरीक्षण किया गया था।

मध्य प्रदेश में भी दुकानों पर मालिक का नाम लिखने की मांग तेज, भाजपा विधायकों ने सीएम को लिखा लेटर

इंदौर। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग में स्थित खान-पान व फल दुकानों के बाहर असली मालिक का नाम लिखने के निर्देश की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी ऐसा ही करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसके लिए इंदौर के दो भाजपा विधायकों रमेश मेंदोला व मालिनी गौड़ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है और आदेश जारी करने का आग्रह किया है। जबलपुर कैंट से भाजपा विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने भी खान-पान व फल की दुकानों के बाहर मालिक का नाम लिखने की मांग का समर्थन किया है।

उज्जैन नगर निगम में जारी किया था ऐसा आदेश- वहीं, उज्जैन में नगर निगम द्वारा इस बारे में वर्ष 2022 में जारी आदेश के पालन पर जोर दिया जाने लगा है। इंदौर क्षेत्र दो के विधायक रमेश मेंदोला का कहना है कि दुकान पर नाम लिखने का नियम होने से सभी दुकानदार अपनी व्यापारिक साख बढ़ाने के लिए ग्राहकों को बेहतर सेवा देने का प्रयास करेंगे।

इंदौर क्षेत्र चार के विधायक मालिनी गौड़ ने मुख्यमंत्री को पत्र में लिखा कि कई बार देखने में आता है कि हिंदू देवी-देवता और महापुरुषों के नाम पर अन्य धर्म वाले दुकानों का नाम रख लेते हैं। खाद्य पदार्थों पर थूकने, गंदगी से बनाने के वीडियो भी सामने आते हैं।

उज्जैन के महापौर ने दिए आदेश का पालन कराने की मांग- प्रत्येक दुकान पर मालिक का नाम दर्ज होने से अप्रिय स्थिति नहीं बनेगी।

संपादकीय

आउटेज होने पर विकल्प क्या?

बीते शुक्रवार-शनिवार को जिस तरह महाकाय आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कंपनी का सर्वर डाउन हुआ और जिस तरह से दुनिया भर में हवाई, बैंकिंग व अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं बाधित हुईं, उससे यह सबक मिलता है कि अभी भी प्रौद्योगिकी पर सौ फीसदी निर्भरता उचित नहीं है। यह कभी भी दगा दे सकती है। इस वैश्विक घटनाक्रम से यह मांग भी तेज हो गई है यदि माइक्रोसॉफ्ट जैसी अत्यधिक भरोसेमंद कंपनी का सर्वर डाउन हो जाए तो स्टैंड बाय सिस्टम प्रावधान भी होना चाहिए ताकि दुनिया थम न जाए। शुरू में माना गया था कि यह व्यापक गड़बड़ी माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर पर साइबर अटैक के कारण हुई है। लेकिन कुछ समय बाद ही खुलासा हुआ कि गड़बड़ी का असल कारण साइबर सिक्योरिटी का काम देखने वाली कंपनी क्लाउड स्ट्राइक द्वार सिस्टम अपडेशन की वजह से हुआ है। जब इस बारे में क्राउडस्ट्राइक के सीईओ से पूछा गया कि अब क्या होगा तो उनका जवाब था कि सभी कम्प्यूटर सिस्टम के दुरुस्त होने में वक्त लगेगा। विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया भर में ऑन सेवाओं के सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा। भारत में भी इसका व्यापक असर दिखाई दिया। सर्वर ठप से होने दुनिया भर में विंडोज 10 प्रोग्राम वाले कम्प्यूटर ठप हो गए। कुल 85 लाख डिवाइस के ठप होने का अनुमान है। इसी अफरा तफरी के बीच माइक्रोसॉफ़्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नाडेला ने एक्स पर एक बयान दिया कि 'कल क्राउडस्ट्राइक ने एक अपडेट जारी किया जिसने विश्व स्तर पर आईटी सिस्टम को प्रभावित करना शुरू कर दिया। हम इस मुद्दे से अवगत हैं। हम क्राउटस्ट्राइक और इंडस्ट्री के साथ मिलकर ग्राहकों के सिस्टम को सुरक्षित रूप से ऑनलाइन लाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता दे रहे हैं। बताया जाता है कि ये तकनीकी दिक्कत उस वक्त आई जब साइबर सिक्योरिटी फर्म क्राउडस्ट्राइक के एक अपडेट की वजह से माइक्रोसॉफ़्ट सिस्टम से चलने कम्प्यूटर पर ब्लू स्क्रीन दिखाई देने लगी और वो क्रैश होने लगे। क्राउडस्ट्राइक के ग्राहकों को ये सॉफ़्टवेयर अपडेट रात के वक्त अपने आप चला गया था। इसीलिए शुक्रवार सुबह जब लोग काम पर लौटे तो उनको इस समस्या से रूबरू होना पड़ा। इसका मतलब था कि उनका कम्प्यूटर रिस्टार्ट नहीं हो सकता था। इसे आईटी की भाषा में आउटेज कहा जाता है। इसके बाद न्यूयॉर्क में नासडैक स्टॉक एक्सचेंज में क्लाउड स्ट्राइक के शेयर 15 प्रतिशत नीचे से शुरू हुए। इस गिरावट से साइबर सिक्योरिटी कंपनी को 12.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। हालांकि साइबर सिक्योरिटी के मामले में क्लाउड स्ट्राइक का रिकॉर्ड अभी तक अच्छा रहा है। इसने कई साइबर हमलों की जांच में अहम भूमिका निभाई है। यह साइबर हमलों के खिलाफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फाल्कन का प्रयोग करती है। काफी जद्दोजहद के बाद कंपनी ने कहा कि समस्या की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उसका समाधान भी कर लिया जाएगा। यहां सोचने की बात यह है कि अगर कंपनी आउटेज का कोई हल जल्दी नहीं खोज पाती तो पूरी दुनिया में तमाम लंबे कारोबार लंबे समय के लिए ठप हो जाते। लोगों और संस्थाओं को भारी आर्थिक नुकसान हुआ होता। आउटेज की स्थिति में भी लोगों को मैनुअल वर्क पर जोर देना पड़ा। यह घटनाक्रम साबित करता है कि आज मी मानव श्रम और मेधा का कोई तोड़ नहीं है। प्रौद्योगिकी तेज और भरोसेमंद है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। साथ ही पूरी दुनिया को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए हमे वैकल्पिक व्यवस्था (स्टैंड बाय) पर भी जोर देना होगा। क्लाउड स्ट्राइक ने भी ऐसी व्यवस्था की होती तो आउटेज के संकट से जल्द उबरा जा सकता था।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

अंधविश्वास का बढ़ता बाजार

पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक का जितना भी विकास किया हो, परन्तु मानसिक तौर पर देश अवैज्ञानिकता व अंधविश्वास की ओर बढ़ा है और बढ़ाया जा रहा है। अभी कुछ दिनों पहले हाथरस में जो भगदड़ की घटना हुई जिसमें लगभग 150 के करीब लोग मारे गये। यह घटना अनेक अर्थों में विचारणीय है। जो लोग वहां जमा हुये थे उनकी संख्या मीडिया के अनुसार 50000 से 1 लाख के बीच बताई गई है। जो आयोजक लोग थे उन्होंने इसकी कोई अनुमति संख्या के आधार पर प्रशासन से नहीं ली और जैसा कि अधिकारियों ने घटना के बाद बताया कि उन्हें जो संख्या बताई गई थी उससे बहुत ज्यादा लोग वहां पर जमा थे। हाँलाकि अधिकारियों ने जो संख्या की अनुमति देने का आधार बनाया था उसके अनुकूल भी पुलिसबल की संख्या नहीं थी। 50 से भी कम पुलिस बल और किन्हीं-किन्हीं खबरों के अनुसार 15-20 पुलिस वाले वहाँ थे। हालांकि मैं इस भगदड़ की घटना के लिये पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को मुख्य जिम्मेदार नहीं मानता। महत्वपूर्ण बात यह है कि, जो लोग वहां पहुंचे उनके पहुंचने का कारण क्या है। इस आयोजन की कोई बड़ी सूचना समाचार पत्रों या मीडिया में खबर या विज्ञापन के रूप में नहीं थी। यह बाद में खबरों में आया कि इन भोले बाबा के जो कार्यकर्ता, प्रचारक या अनुयायी लोग हैं वे आने वालों के लिये बसों आदि की व्यवस्था करते हैं, उनके भोजन आदि की व्यवस्था करते हैं और उन्हें लाते हैं। मैं मान लेता हूँ कि यह सही होगा क्योंकि कोई न कोई तो सूचना का तंत्र होगा जो इन भोले बाबा के समर्थकों या अनुयायी को सूचना देता होगा। दूसरा जो महत्वपूर्ण पक्ष है कि आखिर ये अनुयायी, अनुयायी क्यों बने हैं और क्यों आते हैं? जो लोग इस आयोजन में आये वे सभी लगभग गरीब लोग हैं, गाँव के सामान्य लोग हैं। जिनका गहरा विश्वास इन भोले बाबा की चमत्कारिक शक्तियों में रहा होगा। यह भी खबरें आई हैं कि ये लोग अपनी-अपनी पर्चियां भेजते हैं जिनमें उनके निजी जीवन की समस्यायें होती हैं और उन्हें उम्मीद होती है कि बाबा के दर्शन से उनकी समस्याओं का हल निकल जायेगा। यह एक मूल प्रश्न है कि उनके मन में यह विश्वास क्यों बना जो उन्हें पर्चियां लगाने याने आवेदन देने और बाबा की चरण रज लेकर समस्याओं के हल होने की उम्मीद जगाता है। मैं इनके निम्न कारण मानता हूँरू-

1. शासन, राजनीति और प्रशासन आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये अपनी पूरी विश्वसनीयता खो चुका है और आमजन इससे इतर समाधान की ओर बढ़ रहा है।

2. पिछले कुछ दशकों के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक हालातों ने व्यक्ति को इतना अलग-थलग कर दिया है कि वह अपने आपको नितांत अकेला मानता है। उसे अपने समाज में मदद की कोई उम्मीद नहीं है। धर्म राजनीति सत्ता, सब पर से उसका विश्वास उठ चुका है इसलिये वह चमत्कारों के पीछे भागता है। उसके मन में एक गहरा विश्वास होता है कि चमत्कार ही उसकी समस्याओं का हल करा सकता है। चमत्कार के नाम पर हल करने वाले बाबाओं का प्रचार तंत्र इतना भारी है कि आमजन उसमें फँस जाता है। यहाँ तक कि वह इन बाबाओं के अतीत को भी नहीं देखता। जिन भोलेबाबा के पास पर्ची लगाकर उनके चरण रज लेने के लिये हजारों लोग इकट्ठे हुये थे उन बाबा का अतीत क्या है? वह मूलतरू एक आपराधिक सोच के आदमी हैं जिन पर अनेकों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और जो पुलिस की नौकरी से निकाले हुये हैं उनके वस्त्र भी आधुनिक हैं और जीवनशैली भी विलासता और सुविधायुक्त जीवन की है।

3. जाति भी एक बड़ा कारण इनके पीछे नजर आता है। अब तो आमतौर पर बाबा या धर्म गुरुओं के अनुयायी भी उनकी जाति से ताल्लुक रखते हैं। अंधविश्वास इतना गहरा है कि सम्मोहन टूटता नहीं है। बापू आसाराम लंबे समय से जेल में है और फ्लिहाल उनके जेल से बाहर आने की कोई उम्मीद नजर नहीं आती। इसके बावजूद भी उनके अनुयायी उनकी भक्तिभाव से प्रार्थना करते हैं, उन्हें ईश्वर का रूप में मानते हैं। उनका जन्मदिवस मनाते हैं और आज भी उनके प्रति उनको विश्वास है। ऐसी ही स्थिति राम रहीम की है जो फिल्मी अभिनेताओं जैसे नजर आते हैं और जेल में रहते हुए भी उनके समर्थक हजारों की संख्या में हैं। हरियाणा व पंजाब के दलित या अनुसूचित, सिख समाज के लोग उनके पक्के अनुयायी हैं और वे जेल में रहें या बाहर उनके निर्देश को मानते हैं। भाजपा सरकार हर चुनाव के पूर्व उन्हें पैरोल दिलाती है और फ्रि उनके अनुयायियों का वोट ले लेती है। अब तो सिख पंथ में भी दो हिस्से मानसिक तौर पर हो रहे हैं। दलित-सिख अपने अलग गुरुद्वारे व पृथक कमेटियाँ बनाना चाहते हैं। शिरोमणी गुरु द्वारा प्रबंधक कमेटी भी इस विभाजन के तनाव में उलझी है। बाबा रामपाल भी जेल में है पर शिष्य डरे हुए हैं। जिस प्रकार जातिवाद ने जाति नेताओं को स्वीकार कर लिया है उसी प्रकार जाति आधार पर धर्म गुरु तय होने लगे हैं। मप्र के बाबा बागेश्वर धाम के बाबा, सीहोर के पं प्रदीप मिश्रा की भी यही स्थिति है। पं. प्रदीप मिश्रा रुद्राक्ष बांटते हैं और वह रुद्राक्ष लेने के लिये हजारों लोग आते हैं। अभी तक बंटे रुद्राक्षों ने कितनों की समस्याओं का हल किया इसका यद्यपि अध्ययन नहीं हुआ है। अगर होगा तो शायद निराशाजनक परिणाम ही होगा। बागेश्वर धाम भी पर्चियां निकालते हैं, पर्चियां लगाने वालों को जातिगत शब्द बोलकर उलटा सीधा कराते हैं। उनके भाई श्री शालिगराम गर्ग उनके गाँव के गरीबों को मारपीट कर उनके मकान व जमीन खाली कराते हैं। इनके द्वारा निकाली गई पर्चियों के हल की संख्या का पता भी नहीं चला, पर शायद वह भी संख्या निराशाजनक ही होगी। पं प्रदीप मिश्रा ने राधा-रानी को लेकर जो टिप्पणियां की थी कि उनका विवाह अनय घोष से हुआ था इसको लेकर मथुरा-वृंदावन का सारा समाज उनके विरुद्ध खड़ा हो गया है। वे मथुरा जाकर मंदिर के द्वार पर नाक रगड़ कर आये हैं पर अभी भी मामला शांत नहीं हुआ है। मुरारी बापू ने भी अपनी टिप्पणी को लेकर भारी विरोध झेला था और अब उनका समर्थन भी कम हो गया है। कहने का तात्पर्य यह है कि अब यह साधु संत व बाबा लोग अंधविश्वास फैलाने के मूलरूप से जवाबदार हैं। उनके द्वारा फैलाया रोग इतना फैल चुका है कि वे भी इससे मुक्त नहीं हैं।

4. हाथरस कांड को लेकर कुछ अधिकारियों व आयोजक पर कार्यवाही हुई है पर भोले बाबा के ऊपर न एफआईआर हुई है और न कोई कार्यवाही हुई है। कानून के अनुसार अंधविश्वास फैलाना भी अपराध है। होना तो यह चाहिये था कि, पर्ची निकालने वाले बाबा के विरुद्ध अंधविश्वास फैलाने का मुकदमा चलना चाहिये था। परंतु उप्र के मुख्यमंत्री के पद पर बैठे बाबा दूसरे बाबा के खिलाफ कैसे कार्यवाही करते। अंधविश्वास, राजनीति, बाजार और पूंजीवाद ये अंधविश्वास के महल के चार खंबे हैं जो एक-दूसरे को सहयोग करते हैं। पूंजीवादी मीडिया बाबाओं का प्रचार करता है। बाजार उनका सहयोगी बनता है और अपना बाजार बढ़ाता है तथा अंधविश्वास इंसान के सोचने समझने और संघर्ष करने की क्षमता या इच्छा को ही समाप्त कर देता है। अंधविश्वास में फंसा व्यक्ति बाबाओं के माध्यम से ईश्वरीय शक्ति का इंतजार करता है कि वह आकर सब समस्याओं का हल कर देगा। अंधविश्वास के बाजार ने इन बाबाओं के माध्यम से व्यापार का बाजार बना दिया है। ऐसा अंधविश्वास अकेले हिंदू समाज में ही नहीं बल्कि बुद्ध धर्म को छोड़कर अन्य सभी धर्मों में फैला है। अभी छत्तीसगढ़ के दौरे में ईसाई भाईयों की चंगाई सभा की जानकारी सुनने में आई, जहाँ हजारों लोग जो प्रभु यीशु से स्वस्थ होने की कामना के लिये इकट्ठे होते हैं। इस्लामिक परंपराओं में भी कई ऐसे स्थान बताये जाते हैं जो बीमार को प्रार्थना से या झाड़-फूंक कर ठीक कर देते हैं। याने यह एक सार्वदेशिक और कुछ अर्थों में वैश्विक समस्या बन गई है। इसे अंधविश्वास द्वारा अब समाज को पीछे ले जाया जा रहा है। इतिहास की घटनाओं को और यहां तक कि धर्म ग्रंथों में लिखी घटनाओं को भी इतिहास के पन्नों से हटाया जा रहा है। सागर जिले के देवरी के मेरे एक मित्र श्री संजय ब्रजपुरिया ने तो मुझे एक ऐसी सूचना दी जो पहले तो मुझे भी एकदम अविश्वसनीय लगी किंतु बाद में उन्होंने इसके प्रमाण दिये। ग्रामीण क्षेत्रों में सती प्रथा को एक नया रूप देकर धर्म के नाम पर शुरू कराया जा रहा है। यद्यपि विधवा होने वाली महिलाओं को जलने के लिये नहीं कहा जा रहा परंतु उनके परिजन उनको लेकर इलाहाबाद जैसे स्थानों पर ले जाकर उनके बाल कटवाते हैं और विधवा के रूप में एक कठोर जीवन जीने के लिये मानसिक रूप से तैयार कर देते हैं। यह पुरानी मान्यता रही है कि पत्नी के पहले पति की मृत्यु यह पुराने या नये अपराधों का महिला को दंड है और उन्हें समाज में आपराधिक जैसा माना जाता था। सती प्रथा की समाप्ति के कानून आने के पूर्व परंपरागत मान्यताओं की मानसिकता उन महिलाओं को स्वेच्छा के साथ आत्मदाह करने को प्रेरित करती थी और जो महिलायें पति के शव के साथ जलकर सती हो जाती थी उनके नाम पर मंदिर बनाना, उनकी पूजा करना, उनसे मन्नत मांगना आदि तरीकों से सती प्रथा को समाज में एक महान घटना बताया जाता था। एक घोर अमानवीय घटना को नारी के जीवन के श्रेष्ठ मूल्यों का पर्याय बनाया जाता था। अब इसकी छोटी पुनरावृति फिर शुरू होना चिंताजनक है। श्री ब्रजपुरिया ने यह भी बताया कि उन लोगों ने इस नव जन्म लेती परंपरा के खिलाफ कुछ अभियान शुरू किया है। मैं इसके लिये उन्हें बधाई देता हूँ। 18 जुलाई 2024 के भोपाल भास्कर में एक अलग परंपरा का वर्णन है, जिसके कारण में अनेकों ग्रामों के लोग अपने गृहग्रामों में शादी नहीं कर सकते और उन्हें शादी के लिये, दूसरे ग्रामों में जाना पड़ता है।

अंत में इतना और कहूँगा कि ये जो चमत्कार जैसी घटनायें लोगों के दिमाग में बिठाई जा रही हैं, इनके खिलाफ समाज को और विशेषतः युवा पीढ़ी को अभियान चलाना चाहिये। राजनीतिक दलों व नेताओं को भी सावधान हो जाना चाहिये कि ये घटनायें देर सवेर धार्मिक समूहों की पर्याय तो बनी हैं, राजनीतिक समूहों का भी स्थान ले लेगी। और राजनीतिक दलों व नेताओं को भी धर्म गुरुओं व बाबाओं के सामने शरणागत रहना पड़ेगा।

राजनीति

डॉ.सत्येंद्र किशोर मिश्र

लेखक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

एनडीए सरकार के आम बजट 2024-25 की चुनौतियां

एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले आम बजट का मकसद भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी तथा तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाना हो सकता है। सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े भारत के विशाल आकार के कारण बेहतर अवश्य हैं, परन्तु असल चुनौती बढ़ती बेरोजगारी, गहराती आर्थिक असमानता, बुनियादी ढांचे की अपर्याप्तता, घटता विनिर्माण निवेश, निम्न घरेलू उपभोग तथा बचत, बदहाल कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आर्थिक अस्थिरता एवं मंहगाई, राजकोषीय अनुशासन के साथ-साथ नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की है। वस्तुतः आम बजट के सम्मुख आर्थिक सुधारों की रफ्तार बढ़ाने और दीर्घकालीन लक्ष्यों को ओझल किए बगैर आम नागरिकों के बेहतरी की चुनौती है।

उच्च पूंजीनिर्माण भारत की आर्थिक संवृद्धि में मददगार रहा है, हालिया आम बजटों में पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देने के साथ ही राज्य सरकारों को भी इस हेतु समर्थन रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में सकल पूंजीनिर्माण में 11 फीसद और वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 फीसद से अधिक की वृद्धि के परिणामस्वरूप, भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 फीसद की वृद्धि हुई। परन्तु, निजी क्षेत्र की प्रतिक्रिया निराशाजनक रही। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सुस्ती तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट चिंताजनक है। औसत पारिवारिक बचत रिकॉर्ड निचले स्तर पर तथा ऋण रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। ग्रामीण मजदूरी में गिरावट निरंतर है, राष्ट्रीय आय में मजदूरी तथा विनिर्माण का हिस्सा लगातार घट रहा है। निजी खपत में गिरावट रोकना आम बजट के सामने चुनौती है, इससे लड़ने की शुरूआत इसी आम बजट से करनी होगी।

बुनियादी ढांचे का आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। हालिया वर्षों के अनुभव सरकार को बजट में आवास, परिवहन गलियारों में निवेश बढ़ाने का संकेत कर रहे हैं। जिससे दीर्घकालिक आय वृद्धि होगी तथा उद्योगों में रोजगार सृजन होगा। आर्थिक स्थिरता, विदेशी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह नीतिगत निरंतरता का सकारात्मक संकेत होता है। औद्योगिक विकास तथा पर्यटन में रोजगार संभावना, आम बजट में इन क्षेत्रों के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव का आग्रह करती है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार ने निगम कर में कमी, विनिर्माण को बढ़ावा देने और एक कुशल और पारदर्शी कर प्रशासन हेतु प्रौद्योगिकी के उपयोग सहित कई व्यवसाय-समर्थक उपाय किए हैं, इसमे निरंतरता की जरूरत है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में वर्ष 2023-24 में 6.5 फीसद की वृद्धि की उम्मीदें हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण उद्योगों में मंदी है। श्रम-गहन परिधान उद्योग में 20 फीसद से अधिक, जबकि कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उद्योगों में 15 फीसद से अधिक की गिरावट है। इन उद्योगों से न केवल विनिर्माण क्षेत्र के पुनर्जीवन की बल्कि तकनीकी रूप से परिष्कृत उत्पादक के रूप में स्थापित होने की उम्मीदें हैं। सरकारी निवेश प्रोत्साहन के प्रति निजी क्षेत्र की प्रतिक्रिया अपर्याप्त तथा अपेक्षा के विपरीत है। सार्वजनिक निवेश, निजी निवेश को प्रोत्साहित करता है, परन्तु निजी निवेशकों की सुस्ती चिंताजनक है। इससे सरकार द्वारा सामाजिक क्षेत्रों और कल्याणकारी योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण उच्च पूंजीगत व्यय स्तर को बनाए रखने में मुश्किल होगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों की भारत में भागीदारी घटी है। यद्यपि, गिरावट के बावजूद भारत का प्रदर्शन बेहतर है, क्योंकि व्यापार और विकास पर वर्ष 2023 में विकासशील देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में 12 फीसद की गिरावट आई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार से भारतीय विदेशी व्यापार प्रभावित हुआ है, वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में गिरावट आई। व्यापारिक वस्तुओं में कम आयात के कारण भारत का व्यापार खाता असंतुलन पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 36 फीसद घटा है। आम बजट को इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख समस्या एमएसएमई उद्यमों के असंतोषजनक हालात हैं। लगभग 11.1 करोड़ रोजगार के साथ दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता और जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता तथा निर्यात और विनिर्माण उत्पादन हेतु महत्वपूर्ण है। एमएसएमई में गिरावट का मतलब है कि कम रोजगार, आम बजट में ऐसे पहल और उपाय जरूरी हैं जो एमएसएमई को प्रोत्साहन दें। आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बढ़ाकर एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, विशेषतः टियर 2 और टियर 3 शहरों में बढ़ाई जा सकती है। पीएलआई योजना में एमएसएमई को शामिल करने का परिवर्तनकारी प्रभाव हो सकता है, जिससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और वस्तुओं और सेवाओं की नई माँग भी पैदा होगी।

युवाओं के लिए ऐसे कौशल प्रशिक्षण की कमी है, जो उन्हें रोजगार योग्य बनाते हैं। बड़े उद्योगों में बढ़ते स्वचालन के साथ कृषि, अनौपचारिक क्षेत्र और निर्माण में श्रमिकों की बढ़ती भीड़ के लिए कार्य की गुणवत्ता संदिग्ध है। जाहिर है, युवाओं को कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षित करना आवश्यक है। कौशल भारत मिशन एक सराहनीय कोशिश है, अनेक लोगों को प्रशिक्षित या अपस्किल्ड किया जा रहा है, परन्तु वास्तविक परिणाम अभी दिखने शेष हैं। अभी भी अनेक व्यवसायों हेतु आवश्यक कौशल संपन्न कामगार अनुपलब्ध हैं।

जीडीपी अनुमान, कृषि सहित प्राथमिक क्षेत्र में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि दिखा रहे हैं। मौसम की अनिश्चितता के कारण भारत में कृषि उत्पादन वृद्धि दर 2023-24 में पिछले वर्ष 4.7 फीसद से घटकर 1.4 फीसद रह गयी। यह न केवल उपभोक्ताओं के लिए कष्टकर है, बल्कि ग्रामीण आय-उत्पादन तथा अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक है। कृषि क्षेत्र में बढ़ती आय, मांग बढ़ाती है, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों को प्रोत्साहित करती है। आम बजट में कृषि क्षेत्र के लिए लगातार पर्याप्त समर्थन जरूरी है।

निःसंदेह भारत में बेरोजगारी की निराशाजनक स्थिति सबसे बड़ी समस्या है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट बताती है कि भारत में बेरोजगारी दर मार्च 2024 में 7.4 फीसद से बढ़कर अप्रैल 2024 में 8.1 फीसद हो गई। ग्रामीण बेरोजगारी दर मार्च में 7.1 फीसद से बढ़कर अप्रैल में 7.8 फीसद तथा शहरी क्षेत्र में 8.1 फीसद से बढ़कर 8.7 फीसद हो गई। केंद्र सरकार के श्रमबल आवधिक सर्वेक्षण के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 में 15-29 आयुवर्ग के शहरी बेरोजगारों का औसत 17 फीसद था, जिसे निम्न तथा गिरती श्रम भागीदारी दरों की दोहरी मार का सामना करना पड़ा। इस अवधि के दौरान एक दर्जनभर राज्यों में 20 फीसद से अधिक बेरोजगारी दर रही, एक राज्य में तो 30 फीसद से भी अधिक हो गयी। असंगठित क्षेत्र में पिछले सात वर्षों में 17 लाख रोजगार घटे हैं, युवा स्नातक बेरोजगारी 42 फीसद के साथ पांच दशकों के शिखर पर है। सबसे गंभीर समस्या युवा बेरोजगारी है जो भारत में जनांकिकी लाभांश को नकारने को तैयार है। आम बजट में इसका समाधान ढूढ़ना होगा, क्योंकि बगैर रोजगार सृजन के विकास मात्र छलावा है, इससे भारत को बचाना जरूरी है।

गरीब कल्याण सरकार की प्राथमिकता है, महिलाओं, युवाओं, किसानों और वंचितों पर ध्यान केंद्रित है। कल्याणकारी योजनाओं के तहत लगभग 60 फीसद अर्थात 80 करोड़ गरीब आबादी को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने का निश्चय है। आम बजट में ग्रामीण नौकरी गारंटी योजना, किसान-केंद्रित उपायों और आवास जैसी योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाना होगा। भारी गरीब आबादी की मौजूदगी के कारण मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना अनिवार्य है। आम बजट का प्रयास खुदरा मुद्रास्फीति को 5 फीसद के अन्दर रखने का होना चाहिए। सभी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्थायित्व का माहौल जरूरी है। भारत में विदेशी संस्थागत निवेशकों के एकाधिकार तथा अनिश्चितता व्यवहार को घरेलू वित्तीय निवेशकों ने लगभग समाप्त कर दिया है, इन्हें तत्काल प्रोत्साहन की जरूरत है।

दृष्टिकोण

वैदेही कोठारी

लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं।

नेट के शिकंजे में बचपन

हाल ही में जिओ चैनल पर एक विज्ञापन दिखाया जा रहा है, जिसमे बच्चे अपने पापा के साथ मस्ती शैतानिया करते हैं जिससे पापा बहुत ज्यादा परेशान हो जाते है, उसी समय वह जिओ पर एक विज्ञापन देखता, वह विज्ञापन बच्चों के लिए टीवी और मोबाइल पर नए नए कार्टून और गेम्स का सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम होता है, वह तुरंत जिओ लेता और दोनों बच्चे मोबाइल और लेपटॉप पर अपने पसंदीदा प्रोग्राम्स देखने बैठ जाते है, पापा भी अपनी पसंद का प्रोग्राम टीवी पर देखने लग जाते है।

आज से बीस तीस साल पहले छोटे बच्चे काका ताऊ के बच्चों के साथ अधिक से अधिक मस्तियाँ करते थे और खेल-खेल में शारीरिक तंदुरूस्ती के साथ शिक्षा भी ग्रहण करते थे। डिजिटल प्लेटफार्म आने से पहले भी एकल परिवार में माँ पापा बच्चों के साथ खेला करते थे, किन्तु आजकल बिलकुल विपरीत समय आ गया है, माँ पिता स्वयं छोटे-छोटे दूध मुंह बच्चों के सामने ही मोबाइल या टीवी पर कार्टून लगा कर, अपने काम में व्यस्त हो जाते, धीरे धीरे जब बच्चा बड़ा होता है तो वह बिना मोबाइल देखे दूध भी नहीं पीता, जब वह तीन चार साल का होता वह बिना मोबाइल देखे, खाना भी नहीं खाता, माँ तभी खाना खिला पाती है जब वह मोबाइल देखता है, एक प्रोग्राम में, माँ अपने चार साल के बच्चे को कुर्सी पर बैठा कर खाना खिला रही थी, बालक मोबाइल में रील्स कार्टून देख रहा था। यह देख मैंने उन्हें बोला, 'यह बहुत गन्दी आदत है, आपके बच्चे को बाद में परेशानी आएगी' माँ बड़े प्राउड के साथ बोली, 'क्या करें मैडम ये बिना मोबाइल देखे कुछ खाता ही नहीं है, इसके हाँथ में मोबाइल दे दो जल्दी खा लेता है!' उसकी बात सुन मैं शॉक्ड रह गई!

आजकल के बच्चों में अपनी पसंद और चाहत अत्यधिक विकसित हो गई हैं। इसके पीछे माता-पिता की व्यवस्तता टी.वी. चैनल एवं मोबाइल में दिखाए जा रहे रील्स कार्टूर्नस जिम्मेदार हैं। आज बच्चों की पसंद,जैटिक्स, पोगो, हंगामा, आदि चैनल के साथ-साथ मोबाइल में वलगर मारधाड़ वाले रील्स ज्यादा पसंद करते हैं। तीन से दस साल तक की उम्र के बच्चे प्रायः मोबाइल में रील्स और कार्टून देखने में इस कदर खो जाते हैं कि खाना-पीना सब भूल जाते हैं। बच्चे माता-पिता को टी.वी. रिमोट और मोबाइल को हाथ तक नही लगाने देते हैं कि कहीं वे टी.वी. बंद न कर दें या मोबाइल छीन न ले। माता-पिता बच्चों को पुकारते रहते है किंतु बच्चे हां या न का जवाब तक नही देते है।

एक सर्वे से पता चला है कि महानगरों के बच्चे तो भगवान के नाम तक नही जानते। उनके चित्रों को भी नही पहचानते है किन्तु पावर रैंजर्स, भीम राजु शिनचेन,डोरेमोन, ओगी व अन्य रील्स कैरेक्टर व काल्पनिक पात्रों,कार्यक्रमों की पूरी जानकारी रखते हैं। इसी तरह दिन-दिन भर कम्प्युटर व ओनलाईन गेम खेलते रहना बच्चों की आदत बन गई है। बच्चे टी.वी पर घंटों कार्टून देखते रहते है, या फिर घंटों मोबाइल में रील्स देखते रहेंगे। नतीजन बच्चे जिद्दी होते जा रहे है। उनका शिक्षण प्रभावित हो रहा है। कार्टुन चित्र वाले कपडे, कार्टुन वाले खिलोने आदि खरीद की जिद पर अड़ने लगे है।

पाश्चात्य एवं आधुनिकता को फॉलो करने वाले एकल परिवार की संख्या आज अधिक होने से बच्चे दादा-दादी,नाना-नानी की कहानियों से वैसे भी अछुते हैं।, जिसके कारण धार्मिक संस्कार एवं हमारी संस्कृति उन्हे नही मिल पा रही हैं। अधिकतर एकल परिवारों में माता-पिता दोनो ही अपनी नौकरी में व्यस्त रहते है और बच्चे का लालन -पालन 'आया' करती है या बच्चों को 'झूलाघर' में छोड दिया जाता है। जिससे वह संस्कारों से भी अछूते रह जाते है। इस भागम-भाग वाली जिंदगी में बच्चे अपना बचपना टी.वी. कम्प्यूटर एवं मोबाइल के सामने खोते जा रहे हैं। आजकल तो बच्चों की पढाई भी कम्प्यूटर व लेपटाप पर होने लगी है। वर्तमान में बच्चों को यह तो मालुम ही नहीं की घर के बाहर खेल मैदान में भी खेल होते हैं। खो-खो, गुल्ली डंडा, फुटबाल, कबड्डी, जंजीर,आकाश-पाताल व अन्य सामुहिक खेल भी खेले जाते है, जिससे की शरीर की अच्छी कसरत होती है और बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास दोनों होते है। लेकिन यह विडम्बना है कि हम लोग वर्तमान परिवेश में ही अपनी मजबूरी मानकर हम चिंतन करने के बजाय टालना पसंद करते हैं। अत्यधिक टी.वी एवं मोबाइल देखने व लगातार कम्प्यूटर गेम्स खेलने से बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास रुक जाता है। लगातार टी.वी.कम्प्यूटर मोबाइल देखने से चार पांच वर्ष की उर्म में ही मोटे-मोटे चश्में लग जाते है। टी.वी व कम्प्यूटर,मोबाइल में से जो विकिरण निकलती है, वह आखों व स्वास्थ्य को अत्यधिक प्रभावित करती है। आजकल बच्चे टी.वी एवं मोबाइल के सामने बैठकर ही फास्ट फूड खाते रहते जिससे मोटापा भी बढता जा रहा है। अधिक समय तक मोबाइल पर गेम्स खेलने से बच्चे भर्मित होते और कई बार वह डिप्रेशन में चले जाते है। आजकल बच्चों की काल्पनिक शक्ति दिनों दिन क्षीण होती जा रही है। अच्छी कहानियों से जहां विचार शक्ति प्रभावित होती है, वहीं जिज्ञासा वश वे कहानियों को ज्यादा से ज्यादा सुनना चाहते थे किन्तु कार्टून चेनल एवं मोबाइल ने बच्चों की जिज्ञासा को शांत कर उनकी विचारणीय क्षमता को कुंद करने का कार्य किया है। कई बार इन काल्पनिक पात्रों को जीने के चक्कर में बच्चें खुद की जान भी खतरे में डाल देते है। आज जरुरत है कि माता-पिता स्वयं बच्चों को समय दे,दादा-दादी व नाना-नानी व अन्य रिश्तेदारो के सानिध्य में भी बच्चों को रखे। ताकी उनका अपने परिवार से जुड़ाव बना रहे।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बाथरूम में हूँ

आजकल लगभग में बाथरूम में ही पाया जाता हूँ। मैंने बाथरूम से बाहर रूम में रहकर देख लिया, सिवाय परेशानियों के और कुछ नहीं है। बाथरूम के बड़े फायदे हैं। पत्नी का यह तकिया कलाम स्थायी हो गया है कि मैं बाथरूम में हूँ। मेरे कई भय है।-जिनके कारण मुझे इसमें जाना पड़ा है। खासतौर से जब से फोन लगा है, तब से मैं इसमें समाहित-सा हो गया हूँ। सुबह-सुबह मेरे एक प्रकाशक मित्र का फोन आता है, जिनसे सिवाय वाहियात वार्तालाप के अलावा कुछ हासिल नहीं हो पाता। रायल्टी का हिसाब-किताब करीब-करीब क्लीयर-सा है, ऐसी स्थिति में मेरा बाथरूम में चले जाना ही श्रेष्ठ है-सो से मिलते हैं तो यही शिकायत प्रमुखता से करते हैं कि मैं बाथरूम में क्यों चला गया हूँ।

उनसे तो असलियत क्या बताऊँ, यही कह पाता हूँ कि डॉक्टर ने साफ-सफाई के प्रति जागरूक रहने को कहा है, सो ज्यादा समय वहीं रहना पड़ता है। वे रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहते हैं-'थोड़ा लिखना-पढ़ना रेगुलर करो। इस तरह कैसे चलेगा। इस तरह तो आपका लेखक मर जायेगा।' मैं मन में सोचता हूँ कि उनकी बकवास से मरने की एवज बिना लिखे-पढ़े मर जाना ज्यादा बेहतर है।

उधार माँगने वालों से पूरी तरह सुरक्षित हूँ। वे फोन पर ही झल्लाते हैं-'उन्हें निकालिये बाथरूम से। पूरा एक साल गुजर गया-कब देंगे हमारी उधारी?' पत्नी घाघ हो गयी है, कहती है-'उन्हें पहले बाथरूम से बाहर आने दो, पता करती हूँ कि उन्होंने आप जैसे अव्यावहारिक आदमी से उधार क्यों ली? उधार ली है तो मर थोड़े ही रहे हैं हम। एक-एक पाई चुका देंगे, लेकिन बातचीत ढ़ंग से किया करो। थोड़ी तमीज सीखो।'

उधार उगाहने वाले दुर्जन ठण्डे पड़ जाते हैं-'वह क्या था? जब भी फोन करता हूँ, तब वे बाथरूम में होते हैं। कभी बाहर भी तो मिलें।' पत्नी कह देती है-'अब आप फोन ही तब करते हैं, जब वे बाथरूम में होते हैं।' वे कहते हैं-'अच्छा थोड़ी देर बाद में फोन कर लूँगा।' वे पुनः फोन करते हैं, तब तक मैं ऑफिस चला जाता हूँ।

कुछ लोग मुझे मेरे दफ्तर के काम से फोन करते हैं। उन्हें भी मैं बाथरूम में मिलता हूँ। उनकी माँग होती है कि उन्हें जरूरी काम था। पत्नी कहती है कि जरूर होगा आपको जरूरी काम अन्यथा आप टेलिफोन करते ही क्यों। वे कहते हैं-'कब तक बाहर आयेंगे वे।' पत्नी कहती है कि बाहर आ गये तो बीमार हो जायेंगे तथा ऑफिस नहीं जायेंगे, क्योंकि बाथरूम में ज्यादा समय रहने से उन्हें जुकाम हो गया है। वे कहते हैं-'उनके दफ्तर का ही काम था कल तो जायेंगे?'

पत्नी कहती है-'यदि वे बाथरूम में नहीं गये तो जरूर जायेंगे दफ्तर।' इस तरह की पहेलीबाजी से मैं इनसे बचा रहता हूँ।

यही क्यों और भी शुभचिन्तक हैं, जो मुझसे कुछ लिखवाना चाहते हैं, माँगना चाहते हैं, सलाह मशविरा करना चाहते हैं अथवा यों ही गप्प मारकर समय जाया करना चाहते हैं। उन सबके लिए मैं बाथरूम मैं हूँ। मेरी जेनुइन समस्या तो कोई समझता-सुनता नहीं और मुझे पलक झपकते ही देखना चाहते हैं। मेरे अदृश्य होने का सुरक्षित स्थल है बाथरूम, जहाँ पूरी शांति के साथ मैं गुनगुनाता हूँ। पानी से खेलता हूँ या साबुन का झाग फुलाकर आइने में शक्ल देखता हूँ। मुझे दूसरों की एवज अपनी शक्ल देखना ज्यादा प्रिय लगने लगा है। इसीलिए मैंने बाथरूम में बड़ा शीश लगाया है। वैसे कुछ शुभचिन्तक यह भी कहने लगे हैं कि मैंने बाथरूम को बहाना बना लिया है। मेरा उनको खुला जवाब है कि यदि वे अपनी आदतों से बाज आयें तो मुझे बाथरूम से बाहर आने में कोई कठिनाई नहीं है। हो सकता है बाथरूम मेरा बहाना भी हो। जो लोग व्यक्तिशः मिलने आते हैं वे घण्डे भर तक बैठक में बैठने के बाद बोर हो जाते हैं और अंत में यह कहकर उठ खड़े होते है। कि फिर आयेंगे। अभी तो उन्हें समय लगता दिखाई है। पत्नी यहाँ भी चतुराई से काम लेती है कि बाथरूम में सीधे ही पुजाघर में जायेंगे और पूजा करेंगे। जबकि मैंने आज तक एक अगरबत्ती भी नहीं जलाई है पूजाघर में जाकर।

अब मैं एक योजना पर भी विचार कर रहा हूँ कि बाथरूम का विस्तार किया जाये ताकि शयनकक्ष की सुविधायें भी वहीं जुटाई जा सकें। मैं एक छोटा दीवान वहाँ लगाना चाहता हूँ तथा रजाई-गद्दे की व्यवस्था भी वहीं देखना चाहता हूँ ताकि नहाने के तुरन्त बाद में शयनकक्ष के तमाम लाभ ले सकूँ। सोचता हूँ कम से कम आठ बाई आठ का तो बन जाये ताकि टाँगें फैलाकर लेट व बैठ सकूँ। लेकिन बजट नहीं होने से शयनागार का विस्तार मूर्तरूप नहीं ले पा रहा है। उधार देने वाले नहीं मिलते। दफ्तर के लोन सब ले चुका। लेकिन यह मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि जब भी अवसर हाथ लगा, मैं बाथरूम को बड़ा जरूर बना लूँगा यह मेरा प्रण है। प्रण करने वाला बहुत बुरा होता है। जब मित्रों में, शुभचिन्कों में मैं बुरा हो चुका हूँ तो मुझे प्रण के मामले में भी बुरा बना रहना चाहता हूँ। बाथरूम एक कवच है जिसे मैंने अपनी सुरक्षा के लिए धारण कर लिया है। बाथरूम ही मेरा पूजा घर है। आप भी फोन करके देखना, देख लेना मैं बाथरूम में ही मिलूँगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

महुआ मोइत्रा के खिलाफ नया मामला ज्यादा घातक

भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 में प्रावधान है कि जो कोई भी महिला की गरिमा को अपमानित करने के इरादे से कुछ बोलता है, कुछ आवाज निकालता है, कुछ इशारे करता है या फिर कुछ भी ऐसा करता है जिससे महिला की निजता में दखल होता है, तो दोषी पाए जाने पर जेल की सजा होगी। इसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर जुर्माने की सजा का भी प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर अभद्र टिप्पणी के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एक नया केस दर्ज हो गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा फिर नई मुसीबत में फंसती दिख रही है। नई भारतीय न्याय संहिता के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की ये पहली एफआईआर है। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से दिल्ली पुलिस कमिश्नर के सामने महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत की गई थी।

दो जुलाई को यूपी के हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ मची थी। इस भगदड़ में 120 से ज्यादा मौतें हुई थीं। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं थीं। चार जुलाई को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा हाथरस गई थीं। इस दौरान एक शख्स पीछे छाता लेकर चल रहा था, इसका वीडियो सामने आया, जिस पर महुआ मोइत्रा ने अभद्र टिप्पणी की। हालांकि, बाद में महुआ ने इसे डिलीट कर दिया। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया। महिला आयोग ने अपनी शिकायत में कहा कि महुआ की टिप्पणी बेहद अपमानजनक हैं और महिलाओं के सम्मान के साथ जीने के अधिकार का सरासर उल्लंघन है। महिला आयोग ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा, तीन दिन के भीतर एक्शन रिपोर्ट भी मांगी है।

महिला आयोग ने आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा की टिप्पणी न सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि एक महिला के गरिमा के अधिकार का उल्लंघन भी है। महिला आयोग ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज करने की मांग की थी। महिला आयोग की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया है। महिला आयोग की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए महुआ ने लिखा 'दिल्ली पुलिस इस स्वतः संज्ञान आदेश पर तुरंत कार्रवाई करें। अगर आपको अगले तीन दिन में तुरंत गिरफ्तारी के लिए मेरी जरूरत हो तो मैं नादिया में हूं।' महुआ ने महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर तंज कसते हुए भी लिखा 'मैं अपना छाता खुद पकड़ सकती हूं।'

भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 में प्रावधान है कि जो कोई भी महिला की गरिमा को अपमानित करने के इरादे से कुछ बोलता है, कुछ आवाज निकालता है, कुछ इशारे करता है या फिर कुछ भी ऐसा करता है जिससे महिला की निजता में दखल होता है तो दोषी पाए जाने पर जेल की सजा होगी। इसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर जुर्माने की सजा का भी प्रावधान है। कानूनन अगर किसी सांसद या विधायक को किसी आपराधिक मामले में दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है, तो तत्काल उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। 1951 में आए जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8(3) में लिखा है कि अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो तत्काल उसकी सदस्यता चली जाएगी। इसके अलावा, सजा पूरी होने के बाद अगले 6 साल तक

चुनाव लड़ने पर भी रोक लग जाती है। जुलाई 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि अगर किसी मौजूदा सांसद या विधायक को दोषी ठहराया जाता है तो जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8(1), 8(2) और 8(3) के तहत वो अयोग्य हो जाएगा। ऐसे में अगर इस मामले में महुआ मोइत्रा को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो उनकी लोकसभा की सदस्यता फिर चली जाएगी।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पिछले साल 'कैश फॉर क्वेरी' मामले में फंस गई थी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने उन पर रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया था। महुआ मोइत्रा पर आरोप लगा था कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछे थे। ये सभी आरोप था कि उन्होंने हीरानंदानी और हीरानंदानी ग्रुप को लोकसभा वेबसाइट के लिए अपने लॉगिन क्रेडेंशियल दिए थे, ताकि वो इसका इस्तेमाल अपने निजी फायदे के लिए कर सके। महुआ ने हीरानंदानी को पासवर्ड देने की बात मानी भी थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने हीरानंदानी को पासवर्ड इसलिए दिया था, ताकि उनके ऑफिस से कोई सवाल टाइप और अपलोड कर दे। उन्होंने कहा था कि कोई भी उनकी जानकारी के बगैर सवाल नहीं डाल सकता था। हालांकि, लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने महुआ को दोषी मानते हुए सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की थी। इसके बाद 8 दिसंबर 2023 को उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

महुआ मोइत्रा द्वारा इस पूरे मामले की शुरुआत 'एक्स' पर एक टिप्पणी को लेकर हुई। तृणमूल कांग्रेस महुआ मोइत्रा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के कारण मामला दर्ज किया गया है। इस पर शर्मा की शिकायत के आधार पर, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा रविवार को नई आपराधिक संहिता, भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 (शब्द, हाव-भाव या महिला की शील का अपमान करने के इरादे से कार्य) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसने भारतीय दंड संहिता की जगह ले ली है। शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी पत्र लिखा है और उनसे मोइत्रा के खिलाफ ''उचित कार्रवाई'' करने का अनुरोध किया है।

पश्चिम बंगाल के कृष्णा नगर की सांसद मोइत्रा को पिछली लोकसभा में सवाल पूछने के लिए नकदी विवाद के बाद लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस साल वे फिर से चुनी गई, उन्होंने वीडियो में महिला आयोग की अध्यक्ष के लिए एक व्यक्ति को छतरी पकड़े हुए दिखाया गया था। मोइत्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में 'पायजामा' का संदर्भ दिया था। इसने एक विवाद को जन्म दिया था। बाद में उन्होंने पोस्ट को हटा दिया। पुलिस ने सोशल मीडिया से इसके बारे में विवरण मांगा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने इस टिप्पणी का संज्ञान लिया था और मोइत्रा के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। लेकिन, तृणमूल सांसद सदैव जुझारू रही है। 'एक्स' पर एनसीडब्ल्यू की एक पोस्ट का जवाब देते हुए उसने दिल्ली पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए टैग किया था। यहां तक कि उन्हें बताया था कि वह पश्चिम बंगाल के नादिया में है। अगर आपको त्वरित गिरफ्तारी के लिए अगले तीन दिनों में मेरी आवश्यकता है, तो मैं नादिया में हूं। मोइत्रा ने लिखा 'आई कैन होल्ड माई ओन अम्ब्रेला' टिप्पणी को भी जोड़ा।

इससे पहले सुश्री शर्मा द्वारा किए गए ट्वीट में एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने राजद प्रमुख लालू यादव और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को गूंगा बताया था। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुहागरात के संदर्भ में मजाक उड़ाया था। तृणमूल नेता को उनके खिलाफ कथित पूछताछ के बदले नकदी के आरोपों पर नैतिकता समिति की रिपोर्ट के आधार पर पिछले साल दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। उन पर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाले संसद में सवाल पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से दो करोड़ रूपये नकद और 'लक्जरी उपहार' सहित रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। एजेंसियां इस मामले की भी जांच कर रही है।

श्रावण मास और शिव की महिमा

श्रावण मास विशेष

प्रमोद भार्गव

लेखक, साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत में श्रावण मास ऐसा महीना है, जिसमें पूरे माह भगवान शिव की आराधना की जाती है। सनातन संस्कृति में इसे सबसे शुभ महीना माना जाता है। इस समय ब्रह्मांड में शिव तत्वों की व्याप्ति हो जाती है। ऐसे में शिव की पूजा यदि अनुष्ठानों के माध्यम से की जाती हैं तो शरीर, इंद्रिय और आत्मा शुद्ध बनी रहती है। काल गणना के सौर वर्ष के अनुसार यह पांचवां महीना है। इस माह की विशेषता यह भी है कि इस माह के समाप्त होने के बाद निरंतर पर्वों का सिलसिला शुरू हो जाता है। रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी, श्री गणेश महोत्सव, शारदीय नवरात्रि, दशहरा और फिर दीपावली। इस समय लोग स्थानीय शिव मंदिरों में तो पूजा करते ही हैं, बारह ज्योतिर्लिंगों पर भी पूजा करने जाते हैं।

शिव की महिमा इसलिए है, क्योंकि उन्हें ब्रह्म माना जाता है। उनका अस्तित्व प्रत्येक उस प्राणी में माना जाता है, जिसका अस्तित्व है। जब पृथ्वी पर कुछ भी नहीं था, तब भी षिव थे। अतएव उन्हें आदिदेव कहा जाता है। आदिदेव से तात्पर्य है, सर्वोच्च ईश्वर। इसलिए श्रद्धालु सभी ज्योतिर्लिंगों पर दर्शन करने जाते हैं। झारखंड में बाबा बैद्यनाथ धाम पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। श्रावण के महीने में यहां एक मेला आयोजित होता है, जिसे श्रावण मेला कहते हैं। अनेक श्रद्धालु यहां नंगे पैर चलकर आते हैं और शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करते है। महाराष्ट्र का त्रंम्बकेश्वर मंदिर में शिवलिंग पर तीन चेहरे उत्कीर्ण हैं, जिनमें ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र विराजमान हैं। ऋग्वेद में रुद्र को शिव ही कहा गया है। गुजरात में सोमनाथ मंदिर भी ज्योर्तिलिंग हैं। श्रावण महीने में यह मंदिर सुबह 4 बजे खुलता है और रात 10 बजे कपाट बंद होते है। पूरे भारत से यहां भक्त आते हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर हिमालय में मंदाकिनी नदी के निकट है। इस मंदिर के निकट ही चार प्रमुख धार्मिक स्थल यमुनोत्री, गंगोत्री और बद्रीनाथ हैं। यहां स्थित गोरीकुंड से 14 किमी की चढ़ाई करने पर दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर पर स्थित तुंगनाथ शिव मंदिर है। लोग 3810 मीटर की यह ऊंचाई बम-बम भोले का नाम लेते हुए चढ़ते हैं।

वाराणसी में प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर ब्रह्मांड के शासक भगवान विश्वनाथ को समर्पित है। इस मंदिर से साढ़े तीन हजार साल पुराना इतिहास जुड़ा है। श्रावण महीने में इस मंदिर पर भव्य उत्सव मनाने के साथ भगवान को नए-नए आभूषणों से सजाया जाता है। ओड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर है। श्रावण महीने में यहां भी बड़ा समारोह आयोजित करके शिव की पूजा की जाती है। मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग है। नर्मदा नदी के तट पर स्थित यहां जो पहाड़ है, वह ओम के आकार का है। इसलिए इसे ओंकारेश्वर शिव मंदिर कहा जाता है। शंकराचार्य ने इसी पर्वत पर आराधना करके ज्ञान की प्राप्ति की थी। आंध्र प्रदेश में मल्लिकार्जुन मंदिर श्रीशैलम जिले में स्थित है। इसकी गिनती भी ज्योतिर्लिंगों में है। इस मंदिर परिसर की पहाड़ियों की दीवारों पर शिव के अनेक नयनाभिराम चित्र अंकित है। उज्जैन में भगवान महाकाल के नाम से प्रसिद्ध ज्योर्तिलिंग हैं। क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित इस मंदिर को पृथ्वी का केंद्र बिंदु माना जाता है। क्योंकि यहां से कर्क और भूमध्य रेखाएं परस्पर काटते हुए निकलती हैं। इसलिए यह कालगणना का भी प्राचीन केंद्र है। मुनि सांदीपनि का यहां आश्रम है। भगवान कृष्ण और बलराम ने इसी आश्रम से शिक्षा प्राप्त की थी। कर्नाटक में मुरुदेश्वर मंदिर है। यह अरब सागर के उत्तरी किनारे पर स्थित है। यहां शिवलिंग मंदिर के अलावा भगवान शिव की 123 फीट ऊंची शिव की प्रतिमा है। असम में सुकरेश्वर शिव मंदिर है। इसे राजा प्रमत्त सिंघा ने बनवाया था। पश्चिम बंगाल में तारकनाथ शिव मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। महाराष्ट्र के पुणे के निकट भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग है। महाराष्ट्र में ही घृश्णेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यहां महाशिवरात्रि पर विशेष आयोजन होते है। यहां बारह स्थानों पर स्थित शिव ज्योति स्वरूप में स्थापित हैं। गुजरात में द्वारका के निकट नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर है। शिव-पुराण के अनुसार शिव का एक नाम नागेश है, इसलिए इसे नागेश्वर कहा जाता है। तमिलनाडु में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग है। त्रेतायुग में भगवान राम ने रावण वध के बाद यही रुके थे और समुद्र तट पर बालू से शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा की थी। बाद में यह शिवलिंग वज्र के समान हो गया। इसे ही रामेश्वरम कहा जाने लगा। अतएव श्रावण का महीना ईश्वर की पूजा-अर्चना की दृष्टि से बारह महीनों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

अयोध्या में भागवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही देष के मंदिरों में धार्मिक पर्यटन कई लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था का आधार बन रहा है। भक्ति का यह व्यापार 10 से 15 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। यहां तक की कई राज्यों में प्रमुख मंदिरों की आर्थिकी उस राज्य के कुल वार्षिक बजट से भी कहीं अधिक है। भारत में धनी मंदिरों की बात करें तो तिरुवनंतपुरम में स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर के खजाने में हीरे, सोने और चांदी के गहनों समेत इन्हीं धातुओं की अनेक मूर्तियां हैं। माना जाता है मंदिर के पास 20 अरब डॉलर की संपत्ति है। मंदिर के गर्भगृह में 500 करोड़ रुपए की भगवान विष्णु की मूर्ति है। इस मंदिर के बाद तिरुपति बलाजी मंदिर सबसे धनी मंदिर है। यहां 680 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष दान में मिलते हैं। इस विष्णु मंदिर के पास नौ टन सोना है और 14000 करोड़ रुपए बैंक में सवधि योजनाओं में जमा है। तीसरे नंबर पर शिरडी के साईं बाबा मंदिर है। यहां सालभर में 380 करोड़ रुपए दान में आते है, इसके अलावा मंदिर के पास 460 किलो सोना, 5428 किलो चांदी और डॉलर-पाउण्ड जैसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा को मिलाकर 18000 करोड़ रुपए बैंकों में जमा है। 52 शक्ति पीठों में एक माता वैष्णव देवी मंदिर में प्रतिवर्ष 500 करोड़ दान में आते हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर में लगभग 100 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष दान में आते हैं। मंदिर के पास 34 लाख का सोना और 88 लाख 68 हजार की चांदी है। तमिलनाडू के मीनाक्षी मंदिर की प्रतिवर्ष सलाना कमाई छह करोड़ रुपया है। इनमें से ज्यादातर मंदिर भक्तों के लिए निःशुल्क भोजन के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंध और सड़क निर्माण के प्रकल्प चलाते हैं। आपदा आने पर सरकारी राहत कोष में योगदान भी करते हैं।

यदि ईश्वर दर्शन के इस धार्मिक पर्यटन में विवाह और दीपावली जैसे पर्व की आर्थिकी को भी जोड़ दिया जाए तो यह आर्थिकी कई लाख करोड़ की होगी ? अतएव मर्यादा पुरुषोत्तम राम और कृष्ण की महिमा नैतिकता के प्रतिमान और मानवता के चरम आदर्श व उत्कर्ष से जुड़ी तो है ही, अब बड़ी आर्थिकी का भी आधार बन गई है। गोया यह धार्मिक पर्यटन का भक्तिकाल तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को नूतन व निरंतर बनाए रखने का भी बड़ा आयाम बनता दिखाई दे रहा है।

दिल्ली-मुंबई मार्ग

ऋतुराज बुड़ावनवाला

(पत्रकार एवं लेखक)

एक्सप्रेस वे पर प्रतिबंधित वाहन ज्यादा, यातायात नगण्य

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे अभी अपने मूल स्वरूप में नहीं आया। इसे कई खंडों में शुरू किया जा रहा है। इस हाईवे में मध्यप्रदेश का करीब 90 किमी हिस्सा आता है, जो काफी हद तक पूरा हो गया और उसे यातायात के लिए खोल दिया गया। लेकिन, प्रतिबंध के बावजूद यहां दो पहिया वाहन चलते देखे जा सकते हैं। बड़ोदरा तक काम पूरा होने के बावजूद लोग इसलिए इस हाईवे का उपयोग नहीं करते कि टोल दरें बहुत ज्यादा हैं। यही कारण है कि यहां चार पहिया वाहनों से ज्यादा दो पहिया वाहन ज्यादा दिखाई देते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मोटरसाइकिल, स्कूटी, ट्रैक्टर और ऑटो चलाने की अनुमति नहीं है। उसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करते हुए दो पहिया वाहन एक्सप्रेस वे पर दौड़ते हैं। दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे का मध्य प्रदेश खंड के सुचारू रूप से चालू नहीं हुआ। फिर भी एक्सप्रेस वे पर अनधिकृत यातायात जारी है और दुर्घटनाएं हो रही हैं। एक्सप्रेस वे की साईडों को अपनी सुविधानुसार काटकर दो पहिया वाहनों से आवाजाही की जा रही है। गुजरात की और से मेघनगर से लगी अनास नदी से प्रदेश में प्रवेश कर रहे इस मार्ग पर थादंला, सैलाना, झाबुआ जिले में किसानों को खेत में जाने का रास्ता नहीं दिया गया, जिससे वे परेशान है। इस खंड आए दिन पर वाहनों के ऊपर पत्थर बरसाए जाते हैं। खवासा क्षेत्र के आस पास लूट की घटनाएं होती रहती है। जिससे एक्सप्रेस वे पर यात्रा करने वाले यात्रियों में भय गहरा रहा हैं। एंट्री प्वाइंट झाबुआ के थांदला से लगाकर जावरा के भूतेड़ा के एग्जिट गेट तक के लगभग 90 किलोमीटर के सफर के दौरान इस रूट पर बहुत कम यातायात देखने को मिलता है।

कम यातायात की एक वजह यह भी सामने आई है कि एक्सप्रेस वे पर टोल रेट बहुत ज्यादा हैं। टोल दरें अलग-अलग पैकेज एरिया की दर से निर्धारित हैं। जैसे कि कहीं पहाड़ काटकर रोड़ को बनाना पड़ा है, तो उस इलाके से गुजरने की टोल दरें थोड़ी अधिक हैं। जहां फ्लैट एरिया में निर्माण हुआ, वहां थोड़ी कम हैं। अगर आप इस एक्सप्रेस वे से कार या जीप-वैन से यात्रा करते हैं तो आपको प्रति किलोमीटर 3 रुपये का टोल देना पड़ता हैं। उदाहरण के लिए अगर आप 10 किलोमीटर की यात्रा करते हैं तो आपको लगभग 30 रुपये का टोल देना होगा। हल्के कमर्शियल वाहनों (एलसीवी) के लिए टोल दरें ज्यादा हैं। इन वाहनों के लिए टोल दर प्रति किलोमीटर 5 रुपए तक है। अगर आप बस या ट्रक से यात्रा करते हैं तो टोल दरें और भी अधिक होती हैं। इन वाहनों के लिए टोल दर प्रति किलोमीटर 10 रुपए होती है। भारी कमर्शियल वाहन के लिए

टोल दरें प्रति किलोमीटर 12 रुपए होती हैं, जबकि बड़े 3 एक्सएल वाहन के लिए यह दर 16 रुपए प्रति किलोमीटर तक होती है।

एक्सप्रेस वे की विशेषता यह है कि कहीं भी टोल गेट नहीं लगे है। पूरे एक्सप्रेसवे पर 30 लेन टोल प्लाजा बनाए गए हैं। सफर के दौरान

यात्रियों को बार-बार टोल के लिए रुकना नहीं पड़ता। हाईवे पर चढ़ने और उतरने की जगह पर इंटरचेंज टोल लगाए गए हैं। हर 50 किलोमीटर पर एंट्री और एग्जिट के लिए गेट हैं जहां टोल ऑटोमेटिक कट जाता हैं। एक्सप्रेस वे पर अधिकतम 120 की स्पीड से वाहन चलते हैं। एक्सप्रेस-वे अत्याधुनिक ऑटोमेटिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लेंस है। इस एक्सप्रेस-वे कंट्रोल हाईवे पर रात दिन मॉनिटरिंग होती। हैं। हर 1 किलोमीटर पर 500 मीटर तक की रेंज वाले हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगे हैं। हर 5 किलोमीटर पर स्पीड मॉनिटर हो रही हैं। स्पीड 120 किलोमीटर से बढ़ती है तो हाईवे पेट्रोलिंग टीम के पास तत्काल ओवर स्पीडिंग वाहन के नंबर का फोटो और नंबर पहुंच जाता हैं। इसके लिए रतलाम जिले के जावरा के पास कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां स्पीड मॉनिटरिंग वाले एक्सपर्ट तैनात हैं। उन्हें विशेष ट्रेनिंग दी गई हैं। ओवर स्पीड वाहनों पर लगे जुर्माने को भी टोल टैक्स के साथ इंटरचेंज से निकलने पर वसूल कर लिया जाता है।

एक्सप्रेस वे का 244 किलोमीटर लंबा हिस्सा झाबुआ, रतलाम व मंदसौर जिले में है। रतलाम जिले में 90, झाबुआ जिले में 50.95 व मंदसौर में 102 किमी से गुजर रहा है। कई जगहों पर रेस्ट एवं सर्विस एरिया का निर्माण किया गया है। इन जगहों पर रुककर लोग फ्रेश हो सकते हैं साथ ही आराम भी कर सकते हैं। यात्री सुविधा के लिए की गई कार पार्किंग, फ्यूल पंप, रेस्टोरेंट, टॉयलेट के लिए भवन तो बनकर तैयार हैं, किन्तु उन्हें शुरू नहीं किया गया। लंबी दूरी के यात्रियों को फ्यूल भरवाने के लिए इंटरचेंज से निकलना पड़ता है तथा खानपान की व्यवस्था नहीं होने पर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक्सप्रेस वे के किनारों पर आसपास के गांव वालों ने छोटी-मोटी दुकान खोल ली है जहां पर यात्रियों की चाय-पानी की जुगाड़ हो जाती है।

भारी बारिश से दो घंटे बंद रहा भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे

बैतूल। जिस झमाझम बारिश की लोग उम्मीद लगाए बैठे थे, वह बीती रात आखिरकार हो ही गई। पूरे जिले में रात को अच्छी बारिश हुई है। इनमें शाहपुर और सारणी क्षेत्र में सबसे ज्यादा 6 और 9 इंच बारिश हुई।

इसके चलते जहां भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे 2 घंटे बंद रहा। वहीं सारणी स्थित सतपुड़ा डैम के 11 गेट भी खोलने पड़े।

बीती रात जिले भर में जमकर बारिश हुई। बीते 24 घंटे में रविवार सुबह तक जिले में औसत 46.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा 9 इंच बारिश सारणी क्षेत्र में हुई है। वहीं शाहपुर ब्लॉक में 156 मिलीमीटर (6 इंच से अधिक) बारिश हुई है। अन्य ब्लॉकों में भी अच्छी बारिश हुई है। (नीचे देखें बॉक्स)

बैतूल जिले में हुई भारी बारिश का असर पड़ोसी जिले नर्मदापुरम में भी देखने को मिला। इटारसी क्षेत्र में बागदेव के पास नदी का पानी पुल के ऊपर आने से भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे पर जाम लगा रहा। सुबह 5.30 से लगभग 2 घंटे तक यहां जाम लगा रहा। पुल से बाढ़ उतरने के बाद यातायात शुरू हो सका।

लग गई थी लंबी कतार- यहां पर अभी फोरलेन का काम चालू है। वहीं नए पुल का निर्माण भी चल रहा है। इसके चलते पुराने मार्ग से ही यातायात शुरू है। इसकी के चलते यहां जाम की स्थिति बन गई। जाम लगने से नदी के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी।

सतपुड़ा डैम के गेट खोले- सारणी क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण सतपुड़ा डैम के गेट भी खोलने पड़े। यहां सुबह 7 बजे 14 में से 11 गेट 10 फीट की ऊंचाई तक खोले गए। सुबह 9 बजे बारिश रूकने पर 4 गेट बंद कर दिए और 7 गेटों से 49685 क्यूसेक पानी तवा नदी में छोड़ा जा रहा है।

भौरा नगर में भारी बारिश से बाढ़, यातायात बाधित

वाहनों को अपने मार्ग बदल कर फोर लाइन बाईपास से होकर गुजरना पड़ा

बैतूल/भौरा। नगर में शनिवार रात्री को हुई तेज बारिश के कारण मां बिजासन मंदिर के पास वाली नदी में बाढ़ आ गई। इस बाढ़ के कारण नदी के पास का मुख्य मार्ग रविवार सुबह 5 बजे से सुबह 11 बजे तक बंद रहा। बारिश की तीव्रता और नदी में बढ़ते जल स्तर ने जनजीवन को प्रभावित किया। इस स्थिति के कारण भोपाल और इटारसी की ओर नगर से जाने वाले सभी वाहनों को अपने मार्ग बदलने पड़े। इन्हें मजबूरन फोर लाइन बाईपास से होकर गुजरना पड़ा। यही नहीं, यात्री बसों को भी बाईपास का रास्ता अपनाना पड़ा और बैतूल की ओर से नगर के अंदर प्रवेश करना पड़ा। यह अतिरिक्त मार्ग अपनाने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा और उनकी यात्रा में देरी भी हुई। रविवार की सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद दिनभर मौसम खुला रहा, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिली। हालांकि, बाजार और व्यापार पर मौसम का प्रभाव देखा गया। ग्राहक कम संख्या में आए, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। क्षेत्र में बीती रात को हुई जोरदार बारिश के चलते जहां नगर ही नहीं बल्कि आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं।

प्रकृति का कर्ज उतारने के यथासंभव पौधरोपण करें : हेमंत खंडेलवाल

जिला टिम्बर, सॉ मिल संगठन व वन विभाग का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाअभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत फॉरेस्ट डिपो में एक एक पौधा लगाकर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण का संदेश दिया। बैतूल जिला टिंबर सॉ मिल संगठन के जिला अध्यक्ष राजा साहु ने बताया कि कार्यक्रम बैतूल सांसद, केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल भाजपा जिला अध्यक्ष बबला शुक्ला, नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, फॉरेस्ट डीएफओ उत्पादन व टिम्बर संगठन के सदस्य राजू महादुले, मोहन यादव,अरुण सोनी, अब्दुक भाई, कमल

पावर, विकास पावर, अखिलेश तिवारी, पप्पू मालवीय, कशी मालवी की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस मौके पर डीडी.उइके ने की राजा साहू व वन विभाग के अधिकारी के संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि वृक्ष हर व्यक्ति के जीवन का मूल आधार है। हेमंत खंडेलवाल द्वारा कहा कि हर व्यक्ति को प्रकृति का कर्ज उतारने के लिए अपने जीवनकल में यथासंभव नियमित रूप से पौधरोपण कार्य चाहिए। राजा साहू द्वारा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) में चयनित टिक वुड लकड़ी व योजना व टिम्बर संगठन की काष्ठ नीलाम व अन्य आवश्यक सुविधाओं के सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री व बैतूल विधायक से आग्रह किया। जिस पर केंद्रीय मंत्री व वधायक द्वारा वन मंत्री से चर्चा कर आगामी समय वन विभाग काष्ठ व्यापारियों की संयुक्त बैठक कर टिंबर काष्ठ व्यापारियों की हर यथासंभव सहयोग एवं ओडीओपी योजना का लाभ बैतूल के स्थानीय व्यापारियों को ही ज्यादा से ज्यादा मिले इसका आश्वासन दिया। जिस पर बैतूल जिला टिम्बर संगठन द्वारा सांसद व केंद्रीय मंत्री व बैतूल विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार शुक्ला (गबरू भैया) का असामयिक निधन

बैतूल। जिला भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री एवं भैंसदेही कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता व सांसद दुर्गादास डीडी उईके के लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि रहे विजय कुमार शुक्ला ऊर्फ गबरू भैय्या का रविवार 21 जुलाई की दोपहर में बैतूल के संजीवनी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हों गया। उनकी अंत्येष्टि सोमवार 22 जुलाई की सुबह उनके गृह ग्राम आमढाना रतनपुर विकासखंड भैंसदेही में की जाऐगी। जिला भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं सहित कार्यकर्ताओं ने अपने लाड़ले गबरू भैया के निधन पर उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से मृत आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान प्रदान करने तथा इस दुख भरी घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की कामना की।

जिला पंचायत सीईओ ने ससुन्द्रा एवं नांदपुर पंचायत सचिव को किया निलंबित

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने जनपद पंचायत आमला की ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर सचिवों को अनियमितता एवं लापरवाही के दृष्टिगत निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत आमला के अंतर्गत ग्राम पंचायत ससुन्द्रा के सचिव मुल्ला सलामे एवं ग्राम पंचायत नांदपुर के सचिव गुलाबराव पंडाग्रे के विरुद्ध अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही करने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अक्षत जैन द्वारा शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के समय उक्त दोनों ग्राम पंचायत सचिव अपने निर्धारित मुख्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए।

ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि दोनों सचिव प्रायः ग्राम पंचायत से अनुपस्थित रहते है तथा इनकी कार्य प्रणाली अत्यंत असंतोषजनक है। साथ ही दोनों सचिवों द्वारा निर्माण कार्य में प्रगति कम करने, मनरेगा योजना अंतर्गत मानव दिवस में अत्यधिक कम प्रगति प्राप्त करने एवं समीक्षा बैठकों में भी बिना सूचना अनुपस्थित रहने की लापरवाही भी पाई गई। लापरवाही पाए जाने पर दोनों सचिवों को उपरोक्त सभी कृत्यों पर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 9 जुलाई 2024 को समक्ष में आहूत किया गया। इस दौरान दोनों सचिवों द्वारा दिया गया उत्तर असंतोषजनक पाए जाने पर प्रथम दृष्टया उनकी लापरवाही प्रमाणित हुई। जिसके चलते ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की गई है।

सांई भक्तों ने गुरु पूर्णिमा पर किया खिचड़ी का वितरण

बैतूल/भौरा। नगर में साई भक्तों द्वारा सोमवार को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर साई बाबा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली एवं सुख समृद्धि की कामना की गई। पूजा के बाद बस स्टैंड पर सांई भक्तों द्वारा खिचड़ी का वितरण किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने खिचड़ी का भोग ग्रहण किया। साई सेवा समिति के सदस्यों ने कहा कि आज गुरु की वंदना करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा पर गुरु की पूजा आराधना करने से गुरु प्रसन्न होते हैं। संसार में गुरु से बढ़कर कोई नहीं है। प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा के दिन नगर के साई भक्तों द्वारा साई मंदिर में पूजा अर्चना के बाद भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में भक्तों ने साई के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

13 क्विंटल की टिक्कड़, एक क्विंटल की चटनी और ढाई क्विंटल का हलवा की बंटी प्रसादी

गुरुपूर्णिमा पर बैतूल के मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़, दादाजी की कुटी खंजनपुर में टिक्कड़-चटनी का वितरण

बैतूल। गुरुपूर्णिमा का पर्व रविवार को पूरे जिले में पारंपारिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया। जगह-जगह भंडारे प्रसादी का आयोजन भी हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। ग्रामीण अंचलों में नागदेवता एवं ग्राम देवता को पूजने के लिए सुबह से ही लोगों उमड़ने लगे थे। स्कूलों में पट्टी पूजा एवं मां सरस्वती का पूजन कर गुरु पर्व मनाया गया। इधर जिला मुख्यालय पर खंजनपुर स्थित दादाजी की कुटी पर भी दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे। शिवधामों, नागदेव मंदिरों के अलावा आश्रमों में आज विशेष अनुष्ठान किए गए। सोशल मीडिया पर रात 12 बजे से ही गुरुपूर्णिमा की बधाई देने का सिलसिला शुरु हो गया था। व्हाटसएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोग अपने गुरुओं के साथ या गुरु से जुड़ी यादों को साझा कर एक दूसरे को गुरुपूर्णिमा की बधाई दे रहे थे।

श्रद्धालुओं को बांटा टिक्कड़-चटनी का प्रसाद- दादा धुनी कुटी खंजनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण पम्मू भावसार ने आज बताया कि गुरूपूर्णिमा पर्व पर सुबह आठ बजे विशेष आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण शुरू कर दिया था, जो देर रात तक चलते रहा। श्रद्धालुओं को करीब 13 क्विंटल आटे से बना टिक्कड़, एक क्विंटल की चटनी के अलावा करीब ढाई क्विंटल बना हलवा प्रसाद के तौर पर वितरित किया गया। दोपहर में बैतूलबाजार से बड़ी संख्या में कुटी आए दादा भक्तो ने निशान चढ़ाया। शाम को महाआरती की गई। हजारों की संख्या में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं को कुटी तक आसानी से आने के लिए बेरिकेट लगाकर महिला एवं पुरूषों की अलग अलग कतार की व्यवस्था बनाई गई थी। बारिश को देखते हुए वाटर प्रूफ टेंट लगाए गए थे।

92 वर्ष से अनवरत जल रही है धूनी- ट्रस्ट के प्रफुल्ल सायरे ने बताया कि दादा जी 1930 में खंजनपुर कुटी में रूके थे। 1932 में अंग्रेज कमिश्नर जे.सी.बरौनी ने गुरू पूर्णिमा पर कुटी का निर्माण किया था। तब से 92 वर्षो से यहां पर अनवरत धूनी जल रही है। श्रद्धालुओं के लिए कुटी आस्था का केंद्र बन गया है। यहां पहुंचे 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को टिक्कड़, चटनी और हलवा का प्रसाद बांटा गया। पुलिस ने मुस्तैदी से मोर्चा संभालकर व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से कुटी के सामने से चौपहिया एवं दो पहिया वाहनों का प्रवेश बंद कर अन्य मार्ग से वाहनों की आवाजाही की गई।

खंडवा-शिरडी, शेगांव पहुंचे श्रद्धालु- जिले से प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दादाधाम खंडवा, शिर्डी और शेगांव भी दर्शन के लिए पहुंचते है। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर निशान चढ़ाने श्रद्धालुओं के जत्थे हनुमान डोल, मठारदेव बाबा के अलावा अन्य मंदिरों तक पैदल यात्रा करते है। खंडवा, शिरडी, शेगांव में जिले के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। नागदेव मंदिर पर सुबह से ही दुग्धाभिषेक एवं पूजन का सिलसिला शुरु हो गया था। घरों में गुरुमंत्र का जाप एवं अनुष्ठान किए गए।

सांई मंदिर से निकली पालकी यात्रा- गुरुपूर्णिमा पर कोठीबाजार स्थित सांई मंदिर से विशाल पालकी यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। दोपहर को सांई मंदिर से पालकी यात्रा की शुरूआत हुई। गाजे-बाजे के साथ निकली पालकी यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए दादाजी की कुटी पहुंची जहां पालकी यात्रा का समापन किया गया। जगह-जगह पालकी यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांई मंदिर से पालकी यात्रा निकाली जाती हैं और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

बैतूल, आमला सहित आधा दर्जन स्टेशनों पर शुरू होंगे रेल कोच रेस्टोरेंट

बैतूल। यात्रियों और स्थानीय निवासियों के लिए भोजन के अनुभव को बढ़ाने के लिए एक नई पहल में, मध्य रेल नागपुर मंडल जल्द ही मंडल के भीतर छह और स्टेशनों पर 'रेल कोच रेस्टोरेंट' शुरू करेगा। ये अनोखे भोजनालय ट्रैक पर लगे संशोधित कोचों में स्थापित किए जाएंगे, जो भोजन करने वालों के लिए एक नया माहौल प्रदान करेंगे। नए रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए चुने गए स्टेशन अजनी, वर्धा, आमला, बैतूल, चंद्रपुर और बल्लारशाह हैं। इन प्रतिष्ठानों के लिए अनुबंध ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से दिए जाएंगे।

रेल कोच रेस्टोरेंट रेल पर लगा एक संशोधित कोच है, जिसे एक विशिष्ट रेल-थीम वाले माहौल के साथ बढ़िया भोजन का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 40 से अधिक लोग बैठ सकते हैं, जो भोजन करने वालों के लिए एक यादगार माहौल प्रदान करता है। इन कोचों के अंदरूनी हिस्सों को रेल-थीम वाले भोजन के अनुभव को बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक सजाया गया है, जिससे मेहमान खुद को अनूठे माहौल में डुबो सकें। इन रेल कोच रेस्टोरेंट की शुरुआत मध्य रेल द्वारा रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने और अभिनव सेवाएँ प्रदान करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। इस पहल से स्टेशनों पर अधिक आगंतुकों को आकर्षित करने की उम्मीद है, जिससे उन्हें एक विशिष्ट और आनंददायक भोजन का अनुभव मिलेगा।

खेड़ीसांवली गढ़ के जंगल से हनुमान जी की मूर्ति उठाने वाला पकड़ाया

बैतूल। थाना कोतवाली के चौकी खेड़ी सांवलीगढ में झल्लार रोड के जंगल में रोड के किनारे बने हनुमान मंदिर के अंदर स्थापित पीतल की हनुमान जी की मूर्ति चोरी हो गई है उक्त सूचना की तस्दीक करने थाने के स्टाफ ने हनुमान मंदिर का जाकर मुआयना किया गया एवं अज्ञात व्यक्ति की तलाश करनी प्रारंभ की फिर जानकारी मिली कि ललित उर्फ लल्ली पिता देवीराम प्रजापति उम्र 35 वर्ष निवासी ढीमर मोहल्ला खेड़ी सांवली गढ़ के द्वारा पूर्व में भी खेड़ी क्षेत्र के मंदिरों में घुसकर तोड़फोड़ की गई थी जिसे तलाश कर चौकी में लाकर उक्त घटना के बारे में पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि उसने रात में नशे की हालत में खेड़ी के आगे जंगल में हनुमान जी के मंदिर से मूर्ति उठाकर रात में ही खेड़ी के तासी नदी के डेम में ले जाकर पानी में मूर्ति फेंक दी। जिसे ले जाकर मौके का मुआयना किया डेम में मूर्ति ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है।

सरस्वती स्कूल में अध्यक्ष, प्राचार्य, शिक्षक और छात्र-छात्राओं का ऑडिटर वासनिक ने किया सम्मान

बैतूल। शहर के कालापाठा स्थित सरस्वती स्कूल में गुरु पूर्णिमा को लेकर आयोजित गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित नपा बैतूल के सीनियर ऑडिटर बंटी वासनिक के हाथों स्कूल के अध्यक्ष कश्मीरीलाल बत्रा, संस्था के प्राचार्य, शिक्षक और स्कूल के मेधावी छात्रों का उनके उत्कृष्ट कार्य व सेवा के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। जानकारी के मुताबिक इस बार रविवार को अवकाश के दिन गुरु पूर्णिमा होने के कारण सरस्वती विद्या मंदिर में एक दिन पूर्व यानी शनिवार को गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष कश्मीरीलाल बत्रा को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए जहां शील्ड देकर सम्मानित किया गया वहीं संस्था के प्राचार्य और शिक्षकगणों को भी उनकी निस्वार्थ और उत्कृष्ट सेवा के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही स्कूल के आठवीं, दसवीं और बारहवीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य श्री दीक्षित और श्री उपाध्यक्ष को उनके उल्लेखनीय कार्यप्रणाली के लिए विशेष तौर पर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर विशेष रूप से श्री भूपेश पवार, श्रीमती पाटिल, वेद दीदी को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश डॉक्टर अंबेडकर समिति के अध्यक्ष और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री वासनिक ने देश के सभी गुरुजनों के कृतित्व और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाए , बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए'। उक्त कविता का उल्लेख करते हुए उन्होंने गुरु के महत्व पर जीवंत रूप से चित्रण किया। गौरतलब है कि कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री वासनिक के द्वारा मां सरस्वती की चित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य द्वारा खुशी जाहिर करते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मीडिया के उलझे रिश्ते

सफलता की कहानी

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी,

लेखक पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

माननीय प्रधानमंत्री जी हम आभारी हैं कि आप हमारे बीच आए। मेरी ऑन दी जॉब लर्निंग अब शुरू हो गई है और 2024 तक मैं देश की सबसे अच्छी जर्नलिस्ट होने की कोशिश करूंगी। उम्मीद करती हूं कि तब आपसे एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू करने का मौका मुझे मिलेगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ये शब्द हैं भारत की पहली एआई बॉट एंकर सना के। आर्टिफिशनल इंटेलिजेंस के मीडिया जगत में बढ़ते इस्तेमाल की कई संभावनाएं हैं। इसी में से एक है कि आने वाले समय में देश के प्रधानमंत्री एक एआई एंकर से देश के भविष्य और योजनाओं के बारे में चर्चा करते दिखें।

दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के 'टेक्स्ट टू स्पीच' फीचर की बदौलत अब भारतीय न्यूजरूम में मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जा रही हैं। पिछले साल अप्रैल के महीने में इंडिया टुडे ग्रुप ने एआई एंकर से समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया था। लॉन्च कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एंकर का परिचय देते हुए कहा गया था कि वह ब्राइट है, सुंदर है, उम्र का उन पर कोई असर नहीं होता है और न ही कोई थकान होती है, वो बहुत सारी भाषाओं में बात कर सकती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी दुनिया को फिर से परिभाषित करने, मानवीय क्षमता की सीमाओं को पार करने और अभूतपूर्व पैमाने पर उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देने के लिए तैयार है। मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में, एआई का आगमन कंटेंट क्रिएटर्स को सामग्री निर्माण के लिए शक्तिशाली उपकरणों से सशक्त बना रहा है, नए अनुभवों को अनलॉक कर रहा है और कलात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का उपभोग करने, बनाने और उनसे जुड़ने के तरीके को हमेशा के लिए बदल रहा है।

हाल के कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है और पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह रहा है। मौजूदा समय में भारत की मेनस्ट्रीम मीडिया का बड़ा हिस्सा विज्ञापन पर निर्भर होकर काम कर रहा है। ऐसे में तकनीक के जरिये डेटा के आधार पर समाचार बुलेटिन प्रस्तुत करना और अन्य काम भी इंसान की जगह मशीन की बदौलत होने ने मीडिया इंडस्ट्री के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पत्रकारिता के भविष्य से लेकर पत्रकारिता करने वालों के भविष्य को लेकर भी संकट खड़ा होने की बात कही जा रही है। लेकिन एआई पत्रकारिता वास्तव में क्या है? क्या यह चिंता का एक विषय है या फिर सूचना जगत में एक ऐसी नई क्रांति है, जो पत्रकारिता के सही आयाम स्थापित करने में कामयाब हो पाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पत्रकारिता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के लगभग सभी पहलूओं समेत पत्रकारिता में भी शामिल हो गई है। डिजिटल मीडिया की वजह से जाने-अनजाने में ही एआई तकनीक पर आधारित कंटेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे वह यू-ट्यूब के एल्गोदिरम की वजह से आपको दिखते वीडियो हों या वेबसाइट पर दिखने वाले विज्ञापन। सभी का एक कारण एआई तकनीक ही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से एआई पत्रकारिता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। मीडिया कंपनियां अपने कंटेंट को अधिक बूस्ट करने के लिए एआई की मदद ले रही हैं। लेख लिखने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में एआई का सहारा लिया जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े मीडिया हाउस एआई द्वारा लिखे लेख को प्रकाशित कर रहे हैं। एक तरफ तो यह काम को आसान और तेजी से कर रहा है, दूसरी ओर यह कई सवाल भी खड़े करता है जिसमें विश्वसनीयता और अखंडता सबसे पहले है। साथ ही क्या सजृनशीलता पर आधारित क्षेत्र में एआई से डेटा आधारित बातचीत और जानकारी, पत्रकारिता के धरातल पर काम कर पाएगी? पत्रकारिता के सबसे मजबूत और शुरुआती मूल्य 'ग्राउंड रिपोर्टिंग' का भविष्य इससे बच पाएगा?

खतरे में पत्रकारों की नौकरियां

इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल होने का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। 'न्यूज़जीपीटी', दुनिया का पहला समाचार चैनल है, जिसका पूरा कंटेंट आर्टिफिशल इंटेलिजेंस द्वारा तैयार किया जा रहा है। चैनल के प्रमुख एलन लैवी ने इसे खबरों की दुनिया का गेम चेंजर कहा था, क्योंकि ना इसमें कोई रिपोर्टर है और ना ही यह किसी से प्रभावित है। यहां यही बात मीडिया जगत में काम करने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा है। जैसे-जैसे मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहां मौजूदा लोगों की नौकरियों पर तकनीक का कब्जा होने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। लेखन, संपादन, एंकरिंग, प्रस्तुतीकरण तक के सारे कामों में एआई का सहारा लिया जा रहा है।

बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या मे 'एमएसएन' वेबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हेडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचलित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। खबर के अनुसार कंपनी ने एआई तकनीक के सहारे खबरों के प्रोडक्शन के कामों को पूरा करना तय किया। माइक्रोसॉफ्ट जैसी अन्य टेक कंपनियां मीडिया संस्थानों को उनका कंटेंट इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करती हैं। इन सब कामों के लिए पेशेवर पत्रकारों की मदद ली जाती आई है, जो कहानियां तय करने, उनका प्रकाशन कैसे होना है, हेडलाइन तय करने जैसे काम करते हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट के एआई तकनीक के इस्तेमाल के बाद से लगभग 50 न्यूज प्रोड्यूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।

ठीक इसी तरह साल 2022 के अंत में अमेरिकी टेक्नोलॉजी न्यूज वेबसाइट 'सीएनईटी' एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए चीजें अलग ही स्तर पर ले गई। कंपनी ने एआई प्रोग्राम के तहत लिखे गए दर्जनों फीचर लेख चुपचाप तरीके से प्रकाशित किए। जनवरी 2023 तक कंपनी ने इन सब अटकलों की पुष्टि नहीं की थी, जिसे केवल एक प्रयोग बताया जा रहा था। इतना ही नहीं एसोसिएटेड प्रेस ने भी अपनी कहानियों के लिए एआई का इस्तेमाल किया। ये सब बातें बताती हैं कि कैसे समाचारों को चुनने, उनको व्यवस्थित करने के लिए काम करने वाले मीडिया के पेशेवरों की नौकरियां एआई ले रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने शुरुआती दौर में है, लेकिन अभी से न्यूजरूम के भीतर उसकी मौजूदगी से मीडिया पेशवरों की नौकरियों पर संकट बनना शुरू हो चुका है। डायच वेले के अनुसार हाल ही में यूरोप के सबसे बड़े पब्लिकेशन हाउस 'एक्सल स्प्रिंगर' ने कई संपादकीय नौकरियों को एआई में बदल दिया है। स्प्रिंगर में नौकरियों की कटौती से मीडिया उद्योग के रोबोट पर निर्भरता की आशंकाओं में तेजी ला दी है।

न्यूजरूम में एआई एंकर

भारत समेत कई अन्य देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कम्प्यूटर जनित मॉडल यानी एआई एंकर समाचार पढ़ते नज़र आ रहे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये न्यूज एंकर कॉर्पोरेट मीडिया हाउस के मुनाफे वाले दृष्टिकोण से हितैषी हैं, क्योंकि इन्हें न कोई सैलरी की आवश्यकता है, ना छुट्टी की। ये 24 घंटे और सातों दिन डेटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली एआई न्यूज एंकर सना के लॉन्च के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है।

द गार्डियन के अनुसार साल 2018 में चीन की न्यूज एजेंसी 'शिन्हुआ' पहला एआई न्यूज एंकर दुनिया के सामने लाई। इस एजेंसी के किउ हाओ पहले एआई एंकर हैं, जिसने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। शिन्हुआ और चीनी सर्च इंजन सोगो द्वारा यह एआई एंकर विकसित किया गया है। प्रकाशकों ने चीन के वार्षिक वर्ल्ड इंटरनेट कॉन्फ्रेंस के कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की थी। इसी से जुड़ी दूसरी के अनुसार पिछले वर्ष चीन ने एआई महिला न्यूज़ एंकर रेन जियाओरॉन्ग को लॉन्च किया। चीन सरकार केंद्रित पीपल्स डेली अखबार ने दावा किया है कि इस एआई न्यूज एंकर ने हजारों न्यूज एंकर्स से स्किल सीखे हैं और वह 365 दिन 24 घंटे लगातार खबरें बता सकती है। चीन के अलावा कुवैत भी अपना एआई न्यूज एंकर लॉन्च कर चुका है। हाल ही में 'न्यूज 18' के पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रीय चैनल की तरफ से भी एआई एंकर के बारे में बात की गई। इस एंकर का नाम एआई कौर है। हाल ही में रूस के स्वोए टीवी ने स्नेज़ना तुमानोवा को पहले वर्चुअल मौसम की खबर प्रस्तुत करने वाले के रूप में पेश किया।

इस तरह से दुनिया के अलग-अलग मीडिया संस्थानों की ओर से एआई तकनीक के न्यूज एंकर को लॉन्च किया जा रहा है। एक के बाद एक एआई न्यूज एंकर के लॉन्च को मीडिया की नई क्रांति और बदलाव बताया जा रहा है। अब यह देखना होगा कि सूचना के क्षेत्र में एआई समावेशिता, विश्वसनीयता स्थापित कर पाती है या नहीं। क्योंकि अगर अब तक लॉन्च एआई एंकर्स के रूप-आकार को लेकर बात करे तो उससे पूरी तरह समावेशिता गायब है। लॉन्च एंकर का आकार यूरो सैंट्रिक ब्यूटी स्टैंडर्ड को ध्यान में रखकर गढ़ा गया है जैसे गोरा रंग, एक ख़ास तय किस्म की बॉडी आदि। सूचना के क्षेत्र में प्रस्तुतिकरण में इस तरह से पूर्वाग्रहों को और स्थापित करने का काम किया जा रहा है।

एआई की दुनिया और विश्वसनीयता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अभी अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन यह देखना वास्तव में बहुत दिलचस्प होगा कि यह पत्रकारिता को किस तरह से बदलेगा। क्योंकि आज क्लिकबेट पत्रकारिता, फेक न्यूज और प्राइम टाइम में चिल्लाने वाली पत्रकारिता का दौर है। ऐसे में क्या रोबोट, इंसानी रवैये के इतर विवेक के साथ पत्रकारिता करेंगे? प्रसिद्ध मीडिया स्तंभकार पामेल फिलिपोज ने कहा है कि एआई और उसके इस्तेमाल से पैदा खतरे वास्तविक हैं। एआई अधिक बहुस्तरीय समस्या को पैदा कर सकता है, जैसे एआई दुष्प्रचार अधिक फैला सकता है।

फिलिपोज ने आगे कहा है कि फेक न्यूज अब व्हाट्सएप टेक्स्ट और तस्वीरों के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं और एआई की पूरी क्षमता रॉ डेटा को पुर्नजीवित करना है। इस तरह बहुत से पत्रकार और मीडिया पेशवरों का मानना है कि एल्गोदिरम और ऑटोमेशन पर बढ़ती निर्भरता से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम होने का खतरा है।

एआई न्यूज एंकर या पत्रिकारिता में एआई की निर्भरता सूचना क्षेत्र के भविष्य के लिए दोधारी तलवार है। एक तरफ इससे मीडिया के नयेपन और संचार के क्षेत्र की अपार संभावनों पर ध्यान दिया जा रहा है। वहीं इसे नैतिक और जिम्मेदारी तय करने के लिए रेग्यूलेशन और निरीक्षण की आवश्यकता भी है। ऐसे दौर में जहां मीडिया में पहले से ही ग्राउंड रिपोर्ट खोजी पत्रकारिता और जनपक्ष की कमी है, उस समय में एआई तकनीक का बढ़ता प्रभाव सूचनाओं से मानवीय पक्ष को खत्म करने वाला ज्यादा नजर आ रहा है।

धार शक्ति पीठ पर हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विद्यार्थी विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

धार। धार गायत्री शक्तिपीठ पर (महेश नगर जिले के पीछे) गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रृद्धा, भक्ति और हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। बड़ी संख्या में गुरु भक्तों को गुरू दीक्षा भी दिलाई गई। गुरु पूर्णिमा पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर प्रातः दो घण्टे तक सामूहिक साधना हुई। इसके पश्चात संस्कार और पंच कुंडीय हवन का क्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें गर्भ संस्कार, नाम करण संस्कार, विद्यारम्भ संस्कार, अन्न प्रासन्न संस्कार, सहित अन्य संस्कार करवाए गए। इस अवसर

पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा भी आचार्य श्रीमति प्रज्ञा बैरागी द्वारा दिलवाई गई। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र सहित अन्य मंत्रो के साथ आहुतियां दी गई। यज्ञ पूर्णाहूति, गुरूपूजन, महाआरती के बाद भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला एवम तहसील स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2023 में जिला और तहसील स्तर पर प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय रहें विद्यार्थियों को पुरस्कार राशी, प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान की गई। भोजन प्रसादी के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव का समापन हुआ।

चंद्रमति माताजी के सान्निध्य में मानतुंगगिरी पर मनाया गुरूपूर्णिमा उत्सव

चातुर्मास के लिए बड़ौदा प्रस्थान के पूर्व माताजी को दी विदाई

धार। दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र मानतुंगगिरी धार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व भक्तों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया। प्रातः काल अभिषेक, शांति धारा पूजन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भगवान विराजमान करने के लाभार्थी देवांग भाई एवं शांति धारा के लाभार्थी हसमुख भाई रमनलाल शाह रहे। मनोकामना पूर्ण गुरु मंदिर में आचार्य भरत सागर जी महाराज की पूजन आरती की गई। इस अवसर पर क्षुल्लिका चंद्रमती माताजी का सानिध्य प्राप्त हुआ। वहीं भक्तों ने चातुर्मास के लिए बडौदा प्रस्थान के पूर्व माताजी चंद्रमति को विदाई दी।

मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया कि गुरु पूजन में सौधर्म इंद्र अशोक नंदलाल भाई, चरण प्रक्षालन मनीष भाई तथा आरती के लाभार्थी भारती बहन रहे। शास्त्र भेंट वीरेंद्र भाई शंकरलाल ने किया। दिगंबर जैन महिला मंडल धार द्वारा नृत्य संगीत से गुरु पूजन किया गया। लीप प्रज्जवलन श्रेणिक गंगवाल, पंडित भाई, संजय त्रिलोकचंद, दक्षेश संघवी, डॉ कमल छाबड़ा, विनय छाबड़ा एवं आशीश जैन ने किया। मंगलाचरण अशोक कासलीवाल रेखा कासलीवाल ने प्रस्तुत किया। गुणानुवाद श्रेणिक गंगवाल, संजय छाबड़ा, विनय जैन छाबड़ा, आशीष जैन,वीरेंद्र बड़जात्या, ममता गंगवाल, रूपेश झांझरी, दक्षेश संघवी, डॉ लोकेश भाई शाह एवं एमके जैन ने प्रस्तुत किया। संगीतकार राकेश जैन इंदौर ने स्वर दिया। स्वागत भाषण मौसम झांझरी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन किशोर जैन ने किया।

चेतन देवड़ा बने आंनद चौपाटी समिति के अध्यक्ष

बीस वर्षों तक उपाध्यक्ष बनकर सेवा की समिति की

धार। सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति आंनद चौपाटी की बैठक शनिगली शनिमंदिर मे संपन्न हुई। बैठक मे समिति के सदस्यों की मोजुदगी मे आगामी त्योहारों को देखते हुये सर्वसहमति से निर्णय लिया गया की चेतन देवडा को समिति का अध्यक्ष बनाया जाये। समिति के सदस्यों द्वारा लिए गये निर्णय को ध्यान मे रखते हुए समिति के संस्थापक कैलाश चंद्र राठौड़ ने चेतन देवडा को अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा। समिति द्वारा अंनत चतुर्दशी पर परम्परागत चल समारोह की बागडोर अब आपको संभालना है।दायित्व मिलते ही सर्व प्रथम देवडा ने आंनद चौपाटी स्थित गणेशजी का माल्यार्पण किया पश्चात समिति के संस्थापक कैलाश चंद्र राठौड़ का माला पहनाकर स्वागत किया एवं पैर छूकर आशीर्वाद लिया। देवडा ने समिति के सभी सदस्यों का आभार मानते हुये अपने उद्बोधन मे कहा की मुझे आज जो दायित्व दिया गया है मै उसे निष्ठापूर्वक निभाऊंगा। और जो वर्षों से समिति द्वारा चल समारोह निकाला जा रहा है उसे बडी धुमधाम से निकालेंगे। उपस्थित सदस्यों मे पार्षद प्रतिनिधि कमल राठौड़, पार्षद प्रतिनिधि अजय ठाकुर,दिलीप दुबे,भरत सोनी, जगदीश सिंधिया, प्रकाश कसेरा, भय्यू वैद्य, रिंकू यादव,महेश खलीफा एवं अन्य सदस्यों ने देवडा को बधाई दी। जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी जितेन्द्र सोनी ने दी।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार महू लोकसभा सांसद सावित्री ठाकुर ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं

धार। केंद्रीय राज्यमंत्री नई धार महू लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता जनार्दन को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की कामना की है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद सावित्री ठाकुर विगत दिनों मनावर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में जन आभार रैली एवं विभिन्न प्रकार के भूमि पूजन समारोह में शामिल होने के पश्चात रविवार को विभिन्न मंदिरों में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर पूजा अर्चना की एवं क्षेत्र वासियों के सुखद भविष्य की कामना की। शनिवार को रात्रि में बालीपुर धाम मनावर आश्रम पर गुरु दर्शन किए तथा आश्रम के संचालक योगेश जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह धरमपुरी में स्थित श्रीराम धाम आश्रम में शिवजी के दर्शन पूजन किए। इसके साथ ही, मंदिर परिसर के कन्यापूजन कार्यक्रम में शामिल हुई। दोपहर को मांडव चतुर्भुज श्री राम मंदिर पहुंच कर महामंडलेश्वर संत श्री नरसिंह दास महाराज आशीर्वाद प्राप्त कर मंदिर परिसर में पौधारोपण किया।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी जिला पंचायत सदस्य शिवराम कन्नौज कपिल सोलंकी जिला मंत्री पवन कुशवाह कृष्णा यादव रवि परिहार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कन्या शाला के अदृश्य शिल्पी शिक्षाविद् मावजी भाई चावरा

नर्मदापुरम- संजीव डे राय ।

नगर के कम लोग ही जानते हैं होशंगाबाद को शिक्षित करने में शिक्षाविद मावजी भाई चावरा एक शख्शियत थे जो पर्दे के पीछे नेपथ्य में रहकर जनसेवा करने में विश्वास करते थे। मुख्यालय पर कन्या शाला स्थापना कर जिन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने का दायित्व निभाया था, रेलवे की ठेकेदारी के लिए जाने जाते मावजी भाई चावरा की घनिष्ठता तत्कालीन कलेक्टर ई.डब्ल्यू रेनबोथ के साथ थी मावजी भाई के व्यक्तित्व की योजना को मूर्त रूप देने में जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कन्या शाला प्रारंभ करने के लिए मावजी भाई चावरा ने दो लाख रुपए खर्च किए और इतने ही पैसे ई. डब्ल्यू रेनबोथ ने मावजी भाई चावरा के लिए जनहितैषी काम में साझा किए थे। कलेक्टर रेनबोथ ईमानदारी की एक मिसाल थे विद्यालय प्रारंभ करने दिए गए यह पैसे सरकारी नहीं, उनके निजी थे.. उनके द्वारा नहीं लिए जाते रहे कार्यालयीन दौरे का टीए डीए था। यह बात अंगुलियों पर गिने जा सकते उन लोगों को याद है जिनकी उम्र इस समय 90 और 100 वर्ष हो सकती है। पुरुषोत्तम भाई चावरा जिन्हें लोग कक्का बाबा के नाम से जानते उनमें से एक हैं, होम्योपैथी के कुशल जानकर जिन्होंने कृष्णा लाज में निःशुल्क प्रति रविवार चिकित्सा परामर्श देकर असाध्य रोगियों को स्वस्थ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वृद्धावस्था ने उन्हें इन दिनों पकड़ रखा, बताते हैं उन दिनों

पिताजी उनकी बड़ी बहनों की पढ़ाई को लेकर चिंतित थे चूंकि बागड़ा में मिडिल स्कूल नहीं था बहनें पढ़ाई से वंचित नहीं रह जाएं इस बहाने उन्होंने मुख्यालय पर कन्या शाला की स्थापना करा दी। कन्या शाला के वे स्वयं प्रेसिडेंट थे और पंडित रामलाल शर्मा को बाइस प्रेसिडेंट बनाकर उन्होंने सम्मान दिया था। कन्या शाला का उद्घाटन करने उस समय प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू, शिक्षा मंत्री डॉ शंकर दयाल शर्मा के साथ आए थे, विधायक श्रीमती सुशीला दिक्षित की उपस्थिति में कन्या शाला का उद्घाटन हुआ था और पिताजी ने स्वागत भाषण दिया था उन दिनों की दुर्लभ फोटो उपलब्ध कराते हुए कक्का बाबा की आंखों में इस समय एक विशेष चमक थी। जैसे कक्का बाबा न चाहकर भी पर्दे के पीछे नेपथ्य में रहने वाले अपने शिक्षाविद पिता की शिक्षा के प्रति उदारता का जिक्र आज भी सार्वजनिक करना नहीं चाहते, परंतु जिस बजरिया स्कूल में जगतगुरु शंकराचार्य ने कदम रखे थे। जिस बजरिया स्कूल में उन्होंने शिक्षा का ककहरा सीखा था। उस स्कूल के खत्म करने का षड्यंत्र वो सह नहीं पाए जिस कहानी को चावरा परिवार सार्वजनिक करना नहीं चाहते थे वह मानों चल रहे षड्यंत्र से सार्वजनिक हो गया, यहां उल्लेखनीय होगा जिस मावजी भाई चावरा ने कन्या शाला प्रारंभ करने 50 के दशक में बतौर निजी दो लाख व्यय किए उन्हें पांच दस हजार रुपए की ऐसी जरूरत क्या आ पड़ी होगी। कि पं शर्मा को 1956 में उन्होंने सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नगरपालिका के नाम चली आ रही जमीन बेंचने की जरूरत पड़ी..? फिर उसी रजिस्टर्ड पत्र को प्रस्तुत करते हुए शिक्षाविद पंडित रामलाल शर्मा के उत्तराधिकारी नर्मदा शिक्षा समिति प्रबंधक ने वर्ष 1982 में नजूल विभाग को आवेदन देकर नगरपालिका की जमीन संस्था के नाम नामांतरण करानी चाही लेकिन नजूल अधिकारी आर एल भम्मानी द्वारा आवेदन निरस्त कर दिया जाने से मकसद में उन्हें अब तक कामयाब नही मिल पाई..?

कल रात हुई झमाझम बारिश ने राजमार्ग का रास्ता रोका, विद्युत सब स्टेशन हमेशा की तरह जलमग्न

हीरालाल गोलानी सोहागपुर।

कल रात हुई झमाझम बारिश ने समीपवर्ती ग्राम शोभापुर में राजमार्ग 22 पिपरिया नर्मदापुरम का लिपटा हमेशा की तरह जलमग्न हो गया। पानी के तेज बहाव के कारण घंटों लगी वाहनों की लंबी कतारें लग गई। इसी के साथ विद्युत कार्यालय सब स्टेशन डूब में रहा। इससे रात करीबन 12बजे से शोभापुर के वाशिंदों को बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। इधर आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के खेतों में पानी भरने से धान की फसल डूबी रही। राज्य मार्ग 22 पर स्थित बिजली आफिस के पास स्थित पानी के तेज जलबहाव के कारण रपटे के दोनों तरफ़ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। प्रशासन एवं पुलिस ने मामले की नजाकत देखते मौके पर पहुंचे। पानी उतरने के बाद आवागमन

शुरू कराया गया। रात में हुई तेज बरसात के कारण विद्युत सब स्टेशन में तीन-चार फीट पानी भर गया। इससे विद्युत प्रदाय लगभग 14 घंटे ठप्प रहा।

बेसमेंट नीचा क्यों - शोभापुर का विद्युत सब स्टेशन निचले हिस्से में बना हुआ है। सब स्टेशन की आधारशिला की डाईग ही स्थान को देखकर नजर अंदाज की गई है?

इस संबंध में भटगांव सरपंच सुधीर सिंह ठाकुर एवं आशीष आचार्य का कहना है कि विद्युत सब स्टेशन निर्माण के समय निचले स्थान की अनदेखी की गई। यदि निचले स्थान था।तब फाउंडेशन आधारशिला को ऊंचाई पर लेकर बनाना था। जिससे सब स्टेशन पानी के कारण जलमग्न न हो। वहीं जनमानस को भी बिजली की समस्या से जुझना पड़ता है। आपने वरिष्ठ अधिकारियों से हर साल होने वाली परेशानी से निजात दिलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर के बारे में सोचना चाहिए। क्योंकि जरा सी बरसात में नगर का विद्युत प्रदाय बंद कर दिया जाता है।

पानी ही पानी - शोभापुर में तेज बरसात से सिलावट मोहल्ला,भटगांव रोड,बैल बाजार, गंज मोहल्ला, बरेली मोहल्ला एवं तवा कॉलोनी में भी शाम तक घुटने घुटने पानी भरा रहा। कई मोहल्लों में नागरिकों के घरों में भी पानी घुस गया।

किसान हलाकान - कल रात हुई भारी बरसात से क्षेत्र के किसानों आफत बनकर आई। क्षेत्र के किसानों की खेतों में गड्ड्यों में लगी धान पूरी तरह से डूब गई वहीं पानी की तेज धार से मिट्टी की पारें भी ढह गई है।

बालिका गृह से लड़की को भगा ले गए 6 नकाबपोश

● ग्वालियर में दीवार फांदकर घुसे, खिड़की से चाबी खींचकर लॉक खोला; गार्ड सोती रही

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में बालिका गृह से 17 साल की लड़की को 6 नकाबपोश भगा ले गए। नकाबपोश कैम्पस में पीछे बनी 4 फीट ऊंची दीवार फांदकर घुसे। गार्ड रूम में टेबल पर रखी चाबी खिड़की से डंडे के जरिए खींची। चैनल का लॉक खोला। आवाज लगाकर लड़की को जगाया, फिर उसे साथ लेकर निकल गए। मामला कंपू स्थित वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार-शनिवार की रात 1.40 से 2 बजे के बीच का है। सिर्फ 20 मिनट में नकाबपोश लड़की को भगा ले गए। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की एक नकाबपोश का हाथ पकड़कर निकलती दिख रही है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला गार्ड सोती रही। वन स्टॉप सेंटर के मुख्य दरवाजे पर दो महिला सहित तीन सुरक्षा गार्ड तैनात थे। इनमें पुलिस का जवान भी था। मुख्य दरवाजे पर तैनात स्टाफ को अंदर की कुछ भनक नहीं लगी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है।

पुलिस को लड़की के प्रेमी पर शक

एएसपी अखिलेश रेनवाल और सीएसपी अशोक जादौन ने बताया, लड़की इससे पहले भी दो बार अपने घर से भाग चुकी है। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे लड़की के प्रेमी का हाथ है। पुलिस को यह भी शक है कि मुलाकात के दौरान यह पूरी योजना बनाई गई। इसलिए नकाबपोशों को हर चीज की जानकारी थी।

7 जून को कोर्ट ने लड़की को भेजा था बालिका गृह: लड़की थाटीपुर इलाके से लापता हुई थी। थाने में उसके प्रेमी पर अपहरण का केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने लड़की को बरामद कर 7 जून को कोर्ट में पेश किया। उसने मां-पिता के साथ जाने से मना कर दिया। ऐसे में कोर्ट ने उसे बालिका गृह भेजा था। यहां से वह पहले भी निकलने की कोशिश कर चुकी थी, इसीलिए उसे बालिका गृह के तीसरे कमरे में रखा गया था। यह कमरा सबसे अंदर है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है कि बालिका गृह में से किसी की मिलीभगत तो नहीं है।

रतलाम में 6 साल की बच्ची से रेप

चॉकलेट के बहाने कमरे पर ले गया आरोपी; सागर का रहने वाला है

रतलाम (नप्र)। रतलाम में 6 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी उसे चॉकलेट दिलाने के बहाने कमरे पर ले गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी मूलतः सागर का रहने वाला है। फिलहाल शहर के डेलनपुर में रह रहा है। घटना शनिवार दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच की है। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। आरोपी सौरभ अहिरवार (26) उसे कमरे पर ले गया। बाद में बच्ची घर पहुंची और मां को बताया। तब घर पर बालिका के पिता भी नहीं थे। पिता को सूचना दी। माता-पिता व अन्य परिजन बालिका को लेकर पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। पुलिस को घटनाक्रम बताया। पुलिस ने आरोपी सौरभ अहिरवार के खिलाफ बीएनएस की धारा 65 (2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5 एम/6 के तहत केस दर्ज किया। थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

घर पर अकेला रहता है आरोपी

पुलिस के अनुसार आरोपी डेलनपुर की धागा फैक्ट्री में काम करता है। वह मूलतः सागर का रहने वाला है। 6 माह पहले ही वह आया है और किराए के मकान में रह रहा था।

भू माफियाओं के आगे नतमस्तक इंदौर का कॉलोनी सेल, कॉलोनियों के नाम छुपा लिए

240 कॉलोनियों को नोटिस जारी कर विकास की स्थिति जानने की घोषणा

इंदौर। प्रदेश सरकार ने प्लॉट धारकों को भूमाफियाओं से मुक्त कराकर अभी तक अविकसित कॉलोनियों के बंधक प्लाटों को बेचकर कर विक्रय करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। इस तारतम्य में इंदौर कलेक्टर कार्यालय के कॉलोनी सेल ने 240 कॉलोनियों को नोटिस जारी कर विकास की स्थिति जानने की घोषणा कर शासन और प्लाट धारकों की आंखों में धूल झोंकने का काम किया है।

एक तो कॉलोनी सेल ने इन कॉलोनियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए, साथ ही कुछ कालोनाईजर और डेवलपर्स से मिलकर ऐसी कई कॉलोनियों को इसमें शामिल नहीं किया, जिनका अभी तक विकास कार्य पूरा नहीं हुआ। इससे तो यही लगता है कॉलोनी सेल के अधिकारियों की मिलीभगत से लाखों का लेनदेन हुआ और इन कॉलोनियों को पिछली तारीख से विकसित दर्शाकर भू माफियाओं को लाभ पहुंचाने का काम किया जाने वाला है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश शासन ने अधिसूचना जारी कर ऐसी सभी कालोनियों को प्रशासन के कब्जे में लेने के निर्देश दिए थे जिनमें विकास अनुमति के 3 साल बाद भी कॉलोनाइजर्स ने विकास कार्य नहीं किया है जिससे इन कॉलोनियों के प्लाट धारक बरसों से विकास कार्य पूर्ण होने की राह देखते हुए परेशान हो रहे हैं।

इंदौर में ऐसी कई कॉलोनियां हैं, जिनके प्लाट धारक पांच से लेकर पंद्रह साल पहले प्लॉट प्लाट खरीदने के बाद भी विकास होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं । इन कॉलोनियों के कॉलोनाइजर्स अथवा डेवलपर्स या तो गायब हो चुके हैं या विकास करने में आनाकानी कर रहे हैं ताकि प्लाट धारक परेशान होकर औने पौने दाम में अपने प्लाट इनके एजेंटों को बेच दे, फिर इन कालोनियों को विकसित कर करोड़ों रुपए की कमाई की जा सके।

प्रदेश शासन का आदेश आते ही इंदौर कलेक्टर स्थित कालोनी सेल ने ताबडतोब कार्यवाही करते हुए 240 कॉलोनियों के कालोनाजर्स तथा डेवलपर्स को नोटिस

जारी करके जवाब देने का दिखावा किया। जबकि, हकीकत यह है कि कॉलोनी सेल ने इन कॉलोनियों के नाम सार्वजनिक तक नहीं किए। जिससे प्लाट धारकों को यह पता चल सके कि उनकी कॉलोनियों का नाम इन सूची में आ गया है। इस बारे में जब कुछ कॉलोनियों के प्लाट धारकों ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी चाही तो उन्हें कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर कलेक्टर के कॉलोनी सेल में एक खेल खेला जा रहा है, जिसमें अधिकारी, कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स शामिल हैं। कॉलोनी सेल ने जिन कॉलोनियों को नोटिस जारी किया, उनमें बहुत सी ऐसी कॉलोनियों को शामिल नहीं किया गया, जिनके कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स ने कहीं आंशिक तो कहीं 5 प्रतिशत या 10 प्रतिशत ही विकास किया है। कहीं कहीं तो यह भी नहीं हुआ है। इनमें ऐसी कॉलोनियां भी शामिल हैं जिनके बारे में कॉलोनी सेल के पूर्व प्रभारी तथा अपर कलेक्टर अभय बेडेकर बंधक भूखण्ड बेचकर विकास करने की टीप लिख चुके थे।

कालोनी सेल ने ऐसा कुछ कालोनियों के कॉलोनाइजर्स और डेवलपर को आर्थिक लाभ पहुंचाने की नियत से उनकी कालोनियों को नोटिस जारी नहीं किया है। इसके पीछे उनका इरादा कुछ ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इनसे सांठगांठ और लेनदेन कर इन कालोनियों को पिछली तारीख से विकसित बनाकर इनके बंधक प्लाट जारी कर दिए जाएं जिससे वह भारी लाभ कमा सकें। ज्ञातव्य है इससे पहले भी इंदौर में ही एक अधिकारी पवन जैन ने विकास पूर्ण हुए बिना ही बंधक प्लाट को जारी कर दिए थे जिसकी शिकायत होने पर उन्हें पद से हटा दिया गया है और उनके खिलाफ कार्यवाही जारी है। अब कालोनी सेल के अधिकारी और कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स एक बार फिर वही खेल खेलने की कोशिश कर रहे है जिस पर अंकुश लगाया जाना आवश्यक है साथ जनहित में उन सभी 240 कॉलोनियों के नाम सार्वजनिक किए जाना भी अपेक्षित है जिन्हें नोटिस जारी किए गए हैं।

रतलाम के दूध स्टोरेज प्लांट पर छापा, मिलावट की आशंका

● तीन टैंकर दूध मिला, सैंपल लिए; केमिकल, कास्टिक सोडा के साथ मिल्क पाउडर के बिल मिले

रतलाम (नप्र)। रतलाम के डेलनपुर स्थित दूध स्टोरेज प्लांट पर रविवार दोपहर प्रशासन के अधिकारियों ने मिलावट की आशंका में छापेमार कार्रवाई की। मौके पर तीन टैंकर दूध से भरे मिले। लिक्विड केमिकल, कास्टिक सोडा भी मिला है, जिनके सैंपल लिए है। मिल्क पावडर के बिल मिले है, जिन्हें जब्ती में लिया है। टीम अपनी कार्रवाई कर रही थी इस दौरान कलेक्टर राजेश बाथम भी स्टोरेज प्लांट पहुंचे। उन्होंने खाद्य अधिकारी को सैंपल लेकर जांच करने को कहा। स्टोरेज प्लांट के संचालक राहुल पाटीदार से प्लांट के बारे में जानकारी ली। दोपहर 3 बजे तक कार्रवाई चलती रही। रतलाम से करीब 8 किमी दूर स्थित ग्राम डेलनपुर से कुछ दूरी पर स्थित बालाजी टाउनशिप में पीछे बने स्टोरेज प्लांट पर छापामार कार्रवाई की। कलेक्टर राजेश बाथम को सूचना मिली थी की दूध में मिलावट कर उसे तैयार किया जा रहा है। सूचना पर टीम बनाकर एसडीएम अनिल भाना, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर के साथ पटवारियों को भेजा। खाद्य अधिकारी कमलेश जमरा, सीएसपी अभिनव वारंगे, थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी राजेंद्र वर्मा भी पहुंचे।

जब्ती में यह लिया: मौके पर तीन टैंकर क्रमांक जीजे 03 बीवी 4408, आरजे 06 जीसी 5216 और आरजे 09 जीसी 4963 खड़े मिले। तीनों टैंकर में अलग-अलग मात्रा में दूध था।

दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. मोहन यादव को लिखा पत्र

सागर के खुरई हत्याकांड मामले में CBI जांच की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सागर जिले के खुरई के नितिन-अंजना हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है। सागर जिले के खुरई के बडोदिया नोनागिर गांव के नितिन अहिरवार की हत्या और अंजना अहिरवार की संदिग्ध मौत का मामला फिर से उठने लगा है पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया के माध्याम से मामले में जांच की मांग की अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

नागरिक समूह ने भेजी वास्तविक जांच रिपोर्ट

दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि मप्र के नागरिक समूह ने एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। दिग्विजय का पत्र मध्यप्रदेश में दलित वर्ग पर लगातार हो रहे हमलों की आये दिन खबरे प्रकाशित हो रही है। इसमें सबसे ज्यादा प्रताड़ना के मामले मध्यप्रदेश के सागर जिले में सामने आ रहे है। आपकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा दलित समाज पर हमले और प्रताड़ना की कई घटनाएं वर्तमान में सामने आई है। जिन पर प्रशासन और पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाववश कोई भी कार्यवाही नही की जा रही है और अपराधी लगातार क्षेत्र में दहशतगर्दी फैला रहे है।

परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी

दिग्विजय सिंह ने लिखा कि नागरिक समूह द्वारा एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे प्रेषित कर सागर जिले में अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। सागर जिले में दिनांक 23.08.2023 को सरेआम एक दलित परिवार के बेटे नितिन अहिरवार की दबंगों द्वारा मार-मार कर हत्या कर दी गई थी। नितिन अहिरवार को न्याय दिलाने के लिये प्रयासरत में परिवार के लोगों की भी दबंगों द्वारा हत्या करने के प्रकरण में पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई है। पुलिस और स्थानीय भाजपा नेताओं ने उल्टा पीड़ित परिवार को ही अपराधी प्रवृति का बता दिया। मेरा आपसे अनुरोध है कि सागर जिले के दलित परिवार के नितिन अहिरवार उसकी बहन कु. अंजना अहिरवार और राजेन्द्र अहिरवार की हत्या के प्रकरण की नागरिक समूह की मांग के अनुरूप सीबीआई से जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने हेतु संबंधित को समुचित निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

एमपी पुलिस को मौत की हिस्ट्री तलाशना होगा आसान

एम्स में शुरू हुआ फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस को अब किसी भी मौत की हिस्ट्री जानने में और आसानी होगी, दरअसल एम्स भोपाल में फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की शुरुआत की गई है। मेडिको-लीगल मामलों की जांच करना आसान होगा राजधानी भोपाल के एम्स मेंफोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की शुरुआत की गई है जिसमें किसी भी मौत की हिस्ट्री तलाश में पुलिस की काफी मदद मिलेगी। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. अजय सिंह ने अत्याधुनिक फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को एम्स के मोर्चरी कॉम्प्लेक्स में स्थित किया गया है। इससे फोरेंसिक मेडिसिन में इसकी क्षमताएं मजबूत होंगी।

फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में उन्नत शोध और निदान की सुविधा: नवनिर्मित लैब फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में उन्नत शोध और निदान की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मेडिको-लीगल मामलों के लिए महत्वपूर्ण ऊतक के नमूनों की सटीक जांच और विश्लेषण संभव होगा। यह सुविधा एम्स भोपाल मे फोरेंसिक पैथोलॉजी में एक नए युग की शुरुआत करती है, जो सटीक और समय पर हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन कर सकेगी। इससे मृत्यु के कारणों को निर्धारित करने और आपराधिक जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता की जा सकेगी। एम्स के डायरेक्टर प्रो. अजय सिंह ने फोरेंसिक जांच में हिस्टोपैथोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और भविष्य में लैब की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

उप मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा का चिंतन-मनन

कहते हैं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उप मुख्यमंत्री पद को लेकर चिंतन-मनन में लग गया है। चर्चा है कि उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री और एक उप मुख्यमंत्री के बीच खींचतान की खबरों के बीच भाजपा आलाकमान उप मुख्यमंत्री पद को लेकर गंभीर हो गया है। बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 जुलाई को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। खबर है कि इस बैठक के बाद भाजपा नेतृत्व उप मुख्यमंत्री पद को लेकर ठोस फैसला करेगा। कहा जा रहा है कि भाजपा ने जातीय संतुलन के लिए उप मुख्यमंत्री का फार्मूला लागू किया। फार्मूले का क्रियान्वयन सबसे पहले उत्तरप्रदेश में हुआ। खबर है कि वहीं फार्मूले अब गले का फ़ांस बन गया है। भाजपा के बड़े नेता मानने लगे हैं कि उप मुख्यमंत्री के फार्मूले से भाजपा शासित राज्यों में सत्ता के केंद्र बढ़ गए हैं। इस कारण भाजपा शासित राज्यों में इस फार्मूले को खत्म करने की सुगबुगाहट बढ़ गई है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उप मुख्यमंत्री के फार्मूले को लागू किया। 2024 के चुनाव के बाद यह फार्मूला ओडिशा में भी अपनाया गया। गठबंधन सरकार में भी भाजपा के उप मुख्यमंत्री हैं, जैसे बिहार में भाजपा के विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी, तो महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस उप मुख्यमंत्री हैं। आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले एनडीए सरकार में जन सेना पार्टी के पवन कल्याण उप मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी उप मुख्यमंत्री हैं। मेघालय और नागालैंड जैसे छोटे राज्य में भी दो-दो उप मुख्यमंत्री हैं। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहते वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने पांच उप मुख्यमंत्री बनाए थे, पर रेड्डी के पार्टी के सर्वेसर्वा होने के कारण उप मुख्यमंत्री ताकत नहीं दिखा सके, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में ऐसा नहीं हैं। इस कारण भाजपा के बड़े नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें झलकने लगी हैं। अब इंतजार है हाईकमान के फैसले का।

कांग्रेस में नेतृत्व के लिए नेताओं का टोटा

कहते हैं दिल्ली के एक नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को बदलना चाहते हैं, पर नेतृत्व सौंपने के लिए नेताओं का टोटा के चलते पीछे हट गए। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की बात चली थी, पर एक नेता ने पेंच मार दिया। खबर है कि नेताजी ने बड़े नेताओं के कान में फूंक दिया कि सिंहदेव के सरगुजा संभाग में सभी 14 सीटें कांग्रेस हार गई है। लोकसभा भी जीत नहीं पाए। ऐसे में सिंहदेव को कमान सौंपने का संदेश अच्छा नहीं जाएगा। नेताजी के पेंच से सिंहदेव का नाम आगे नहीं बढ़ पाया। मामला ठंडे बस्ते में चला गया और दीपक बैज को जीवनदान मिल गया। दीपक बैज खुद 2023 में विधानसभा चुनाव हार गए और उनके नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव यहाँ पार्टी बुरी तरह हार गई। 11 में से केवल एक सीट ही वह जीत सकी। इस कारण दिल्ली के नेता दीपक बैज की जगह नया चेहरा चाहते हैं। दीपक बैज की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए कई दावेदार हैं। बताते हैं उनको लेकर कांग्रेस हाईकमान कॉन्फिडेंट नहीं है। दीपक बैज ताकत दिखाने में लग गए हैं। राज्य की जनसमस्याओं को लेकर उनके नेतृत्व में पार्टी 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव करने वाली है। अब देखते हैं 24 जुलाई को किस तरह का शक्ति प्रदर्शन होता है ?

पतियों के सहारे विभाग?

कहते हैं छत्तीसगढ़ में सरकार का एक विभाग पतियों के भरोसे चल रहा है। इस विभाग की कर्ताधर्ता महिला है। बताते हैं महिला कर्ताधर्ता अपने निजी स्टाफ में प्रमुख पद पर महिला की तैनाती कर रखी है। चर्चा है कि महिला कर्ताधर्ता अपने पति से चर्चा के बिना फाइलों पर दस्तखत नहीं करती, वहीं निजी स्टाफ में प्रमुख पद पर तैनात महिला कर्मचारी भी अपने पति को फाइल दिखाए बिना आगे नहीं बढ़ातीं। बताते हैं इसके कारण विभाग में बिना दस्तखत के फाइलों की संख्या बढ़ गई है। कई जरुरी फाइलें भी महिला कर्ताधर्ता के दस्तखत के इंतजार में उनके दफ्तर में बांट जोह रही है। बताते हैं फाइलों पर दस्तखत के अभाव में जनहित के काम पर भी असर पड़ रहा है।

मंत्री स्टाफ में तैनात डिप्टी कलेक्टर चर्चा में

राज्य के एक मंत्री के स्टाफ में तैनात एक डिप्टी कलेक्टर इन दिनों सुर्खियों में हैं। कहते हैं लोकसभा चुनाव के दौरान भी साहब ने अपनी जेब गर्म की थी और अब भी शुरू हो गए हैं। साहब की शिकायत मंत्री जी तक लोगों ने पहुंचा दी है। अब मंत्री जी के एक्शन का इंतजार है। कहा जाता है कि कांग्रेस के राज में डिप्टी कलेक्टर साहब के बड़े भाई बड़े पावरफुल थे। तब वे ताकतवर मंत्री के दाहिने हाथ थे। कांग्रेस की सरकार जाते ही उन्हें राजधानी से कोसों दूर भेज दिया गया, पर उनका छोटा भाई भाजपा सरकार के एक मंत्री के स्टाफ में घुसपैठ कर ली और मंत्री के करीबी बन गए। इसका फायदा उठाकर अपना उल्लू सीधा करने में लग गए। अब देखते हैं कब तक उनका दांव चलता है।

केदार कश्यप की परीक्षा

सोमवार 22 जुलाई से छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा। केदार कश्यप पहली बार संसदीय कार्य मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर सदन के संचालन के लेकर मंत्रियों के बचाव और विपक्ष को साधने में कितने सक्षम होते हैं, यह इस सत्र में दिखेगा। मानसून सत्र काफी छोटा है। केवल पांच बैठकें होंगी, पर विपक्ष आक्रामक रुख अपना सकता है। पिछली बार नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने शेर की मौत के मामले में वन मंत्री के नाते केदार कश्यप को खूब घेरा था। इस बार क्या रुख होता है, देखते हैं। वैसे केदार कश्यप डॉ. रमनसिंह के कैबिनेट में 15 साल मंत्री रहे हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने तय किए लक्ष्य

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संसदीय क्षेत्र के साथ राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार का लक्ष्य तय किया है। पर्यावरण सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 11 लाख पौधे लगाने की ठानी है। मां के नाम एक पेड़ लगाने के अभियान के तहत पौधों को लगाने, बचाने और बड़ा करने के लिए सांसद जी लोगों की मदद भी करेंगे। रायपुर दक्षिण से आठ बार के विधायक, पांच बार के मंत्री और पहली बार सांसद बने बृजमोहन जी पौधरोपण के बहाने एक्टिव रहेंगे, तो छत्तीसगढ़ निर्माण के 24 साल बाद पहली बार बृजमोहन अग्रवाल के बिना राज्य की विधानसभा चलेगी।

कौन होगा रायपुर-बिलासपुर का कमिश्नर ?

2004 बैच के आईएएस डॉ संजय अलंग 31 जुलाई को रिटायर्ड हो जाएंगे। वे अभी रायपुर के साथ बिलासपुर संभाग के भी आयुक्त हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा सत्र के बाद आईएएस अफसरों की पोस्टिंग में कुछ हेरफेर होगी, उसमें रायपुर और बिलासपुर के लिए नए आयुक्त की पदस्थापना हो जाएगी। वैसे सरकार ने दो दिन पहले ही जगदलपुर के संभागायुक्त श्याम धावड़े का रायपुर ट्रांसफर कर उनकी जगह डोमनसिंह को बस्तर का कमिश्नर बनाया है। डोमन सिंह अभी बिलासपुर संभाग में अपर आयुक्त हैं।